



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 105]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 24, 2011/ज्येष्ठ 3, 1933

No. 105]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 24, 2011/JYAISTHA 3, 1933

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 मई, 2011

अंतिम जाँच परिणाम

विषय : चीन जन. गण. के मूल के या वहाँ से निर्यातित हाइड्रो पफ्लोरिक एसिड के आयातों के बारे में
मध्यावधि पाटनरोधी समीक्षा जाँच।

फा. सं. 15/12/2010-डीजीएडी.—यतः वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) तथा सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन, संग्रहण एवं क्षति-निर्धारण), नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए, निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) ने चीन जन. गण. के मूल के या वहाँ से निर्यातित हाइड्रोपफ्लोरिक एसिड (एच एफ एसिड) के आरोपित पाटन के बारे में 25 मई, 2010 को मध्यावधि समीक्षा पाटनरोधी जाँच शुरू की थी। चीन जन. गण. के मूल के या वहाँ से निर्यातित हाइड्रोपफ्लोरिक एसिड के पाटित आयातों के खिलाफ मूल जाँच 11 दिसंबर, 2001 को शुरू की गई थी। प्राधिकारी के 15 फरवरी, 2002 के प्रारंभिक जाँच परिणामों के आधार पर 28 मार्च, 2002 की सी.शु. अधिसूचना सं. 35/2002-सी.शु. के तहत चीन जन. गण. से हाइड्रोपफ्लोरिक एसिड के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। अंतिम जाँच परिणाम 26 नवंबर, 2002 की अधिसूचना द्वारा अधिसूचित किए गए थे और राजस्व विभाग ने 15 जनवरी, 2003 की अधिसूचना सं. 10/2003-सी.शु. के तहत चीन जन. गण. से हाइड्रोपफ्लोरिक एसिड पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया था। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 5 वर्ष समाप्त होने के बाद 17 मार्च, 2007 को निर्णयिक समीक्षा जाँच शुरू की थी। निर्णयिक समीक्षा संबंधी अंतिम जाँच परिणाम 25 मार्च, 2008 की अधिसूचना द्वारा अधिसूचित किए गए थे और राजस्व विभाग ने 28 अप्रैल, 2008 की अधिसूचना सं. 54/2008-सी.शु. के तहत संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की अवधि बढ़ाई थी।

संबंधी अंतिम जांच परिणाम 25 मार्च, 2008 की अधिसूचना द्वारा अधिसूचित किए गए थे और राजस्व विभाग ने 28 अप्रैल, 2008 की अधिसूचना से, 54/2008-सी.शु. के तहत संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की अवधि बढ़ाई थी ।

2. और यह: पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के अंतर्गत प्राधिकारी के लिए पाटनरोधी शुल्क को संतत रूप से लागू रखने की जरूरत की समय-समय पर समीक्षा करना अपेक्षित है और यदि वह प्राप्त सकारात्मक सूचना के आधार पर इस बात से संतुष्ट हो जाता है कि ऐसे शुल्क को संतत रूप से लागू रखने का कोई औचित्य नहीं है तो प्राधिकारी उसे वापस लेने के लिए केन्द्र सरकार को सिफारिश कर सकते हैं । उपर्युक्त उपबंध के होते हुए भी प्राधिकारी के लिए इस आशय की समीक्षा की जरूरत की पुष्टि करते हुए किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत सकारात्मक सूचना के आधार पर समीक्षा करना अपेक्षित है कि क्या शुल्क समाप्त किए जाने अथवा उसमें अंतर किए जाने अथवा दोनों ही स्थितियों में क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, बशर्ते निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद उचित समय बीत गया हो । उपर्युक्त उपबंध के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी को चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा की जरूरत की पुष्टि करते हुए मै. नवीन फ्लोरिन इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा दायर एक आवेदन प्राप्त हुआ और उसने संबद्ध वस्तु पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की राशि में वृद्धि करने/उसमें संशोधन करने का अनुरोध किया गया है । 25 मार्च, 2008 की अधिसूचना सं. 4/13/2006-डीजीएडी के तहत अधिसूचित अंतिम जांच परिणामों की समीक्षा करने का निर्णय लेने के बाद प्राधिकारी ने नियम 23 के अनुसार जांच शुरू की ।

क. प्रक्रिया

3. जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:

- i) प्राधिकारी को शुल्क के स्वरूप की समीक्षा करने, उसमें संशोधन करने और लागू पाटनरोधी शुल्क की को बढ़ाने के बारे में अन्य बातों के साथ-साथ इस आधार पर मै. नवीन फ्लोरिन इंटरनेशनल लिमिटेड से एक विधिवत पुष्टिकृत आवेदन प्राप्त हुआ कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए मौजूदा शुल्क पर्याप्त नहीं है । याचिकाकर्ता ने लागू पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने और उसकी राशि को बढ़ाने का अनुरोध करते हुए इस संबंध में प्रथम दृष्टया साक्ष्य प्रस्तुत किया ।
- ii) इस बात के प्रति स्वयं को संतुष्ट करने के बाद याचिकाकर्ता ने समीक्षा की जरूरत की पुष्टि करते हुए पर्याप्त सकारात्मक सूचना प्रस्तुत की है, प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के अंतर्गत 25 मई, 2010 की अधिसूचना सं. 15/12/2010-डी जी ए डी के तहत चीन के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधिक समीक्षा जांच शुरू की । वर्तमान समीक्षा के क्षेत्र में पूर्ववर्ती अधिसूचना के सभी पहलू शामिल हैं ।

iii) नियम 6(2) के अनुसार नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावास को इस अनुरोध के साथ जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया गया था कि वे निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें ।

iv) उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार प्राधिकारी ने संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों और दूतावास को आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां उपलब्ध कराई । अनुरोध किए जाने पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी अगोपनीय आवेदन की प्रति उपलब्ध कराई गई थी ।

v) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के अलावा, भारत में संबद्ध वस्तु के सभी ज्ञात उत्पादकों को निम्नानुसार जांच की शुरुआत की सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी:

क्र.सं.	कंपनी का नाम
1.	मै. टेनफेक इंड लि.
2.	मै. एस आर एफ लि.
3.	मै. गुजरात फ्लोरोकैमिकल्स लि.

मै. टेनफैक ने सार्वजनिक सुनवाई के बाद लागत एवं क्षति संबंधी सूचना प्रदान की ।

vi) प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों (जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) को सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें नियम 6(2) तथा 6(4) के अनुसार पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया । सूचना निम्नलिखित निर्यातकों को भेजी गई थी:

कंपनी का नाम
1. मै. क्यूझूआ फ्लोरीन केमिकल कं. लि., झेजियांग
2. मै. यिंगपेंग केमिकल कं. लि.
3. मै. यिंगपेंग केमिकल कं. लि.
4. मै. सेनमेई केमिकल इंडस्ट्री कं. लि.
5. मै. योगफैई केमिकल कं. लि.
6. मै. 3-एफ जिनान केमिकल कं. लि.

7.	मै. डोंगयू केमिकल कं. लि.
8.	मै. मेलियान केमिकल कं. लि.
9.	मै. ए टू 3-एफ चांगशू केमिकल लि.
10.	मै. झियांगझियांग एल्युमिनियम प्लांट
11.	मै. शेयांग, जियांगशू
12.	मै. फूड्स केमिकल कं. लि.
13.	मै. जिंहुआ केमिकल प्लांट.
14.	मै. संघाई टियानयुन फ्लोरीन केमिकल कं. लि.

vii) चीन जन.गण. के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से प्रश्नावली का कोई उत्तर दायर नहीं किया है ।

viii) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित सभी ज्ञात आयातकों (जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) को सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें नियम 6(4) के अनुसार पत्र जारी होने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी ।

कंपनी का नाम
1. मै. कॉम्पीटेट डाइस्टफ एंड एलाय प्रोडक्ट्स प्रा. लि.
2. मै. ओसवाल एंटरप्राइजेज
3. मै. एम एफ पी एल फ्लूरिन प्रोडक्ट्स लि.

ix) आयातक प्रश्नावली का उत्तर मै. मद्रास फ्लूरिन प्रा.लि., चेन्नई से प्राप्त हुआ था । एक अन्य आयातक मै. फ्लूराइड्स एंड कैमिकल ने इस संबंध में केवल अपने अनुरोध प्रस्तुत किए हैं ।

x) जिन निर्यातिकों, उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है और न ही इस जांच से संगत सूचना प्रदान नहीं की है, उन्हें असहयोगी हितबद्ध पक्षकार माना गया है ।

xi) वाणज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से जांच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे देने का अनुरोध किया गया था जो प्राधिकारी को प्राप्त हो गए थे ।

xii) रसायन एवं पैट्रोरसायन विभाग, जो संबद्ध वस्तु का प्रशासनिक मंत्रालय है, से संबद्ध मदों के घरेलू उत्पादकों/उत्पादन के बारे में पूर्ण तथा प्रामाणिक ब्यौरे मांगे गए थे । तथापि, संबंधित प्रशासनिक विभाग ने कोई सूचना प्रदान नहीं की है ।

xiii) सामान्यतः रंगीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के अनुसार क्षति रहित कीमत का निर्धारण करने के लिए आवेदक तथा अन्य घरेलू उत्पादक से सूचना मांगी गई थी ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा । आवेदक द्वारा प्रदत्त आंकड़ों का आवश्यक समझी गई सीमा तक मौके पर सत्यापर किया गया था ।

xiv) यह जांच 15 जनवरी, 2009 से 31 दिसंबर, 2009 (जांच अवधि) की अवधि के लिए की गई थी । तथापि, क्षति जांच वर्ष 2006-07, 2007-08, 2008-09 तथा जांच अवधि के लिए की गई थी ।

xv) प्राधिकारी ने नियम 6(6) के अनुसार मौखिक रूप से संगत सूचना प्रस्तुत करने हेतु हितबद्ध पक्षकारों को अवसर प्रदान करने के लिए 22 फरवरी, 2011 को सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की जिसमें मै. नवीन फ्लूरिन इंटरनेशनल लि. तथा दो आयातकों अर्थात् मै. फ्लूराइड्स एंड कैमिकल्स तथा मै. मद्रास फ्लूरिन प्रा. लि. (अपने परामर्शदाताओं के जरिए) उपस्थित हुए थे । सुनवाई के समय उपस्थित हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से व्यक्त विचारों के लिखित अनुरोध दायर करने की सलाह दी गई थी और उन्हें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों पर उत्तर दायर करने का अवसर भी प्रदान किया गया था । हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित अनुरोधों और उत्तरों पर संगत समझी गई सीमा तक विचार किया गया है ।

xvi) जांच की कार्रवाई के दौरान हितबद्ध पक्षकरों द्वारा दिए गए तर्कों और प्रदान की गई सूचना/साक्ष्य पर उस सीमा तक प्राधिकारी ने समुचित रूप से विचार किया है जिस सीमा तक वे साक्ष्य द्वारा समर्थित हैं और उन्हें वर्तमान जांच से संगत माना गया है । जांच के दौरान प्राधिकारी ने प्रदान की गई सूचना की पर्याप्तता और सत्यता के बारे में स्वयं को

संतुष्ट किया । घरेलू उद्योग से क्षति के बारे में अतिरिक्त/पूरक ब्यौरे मांगे गए थे जो प्राप्त भी हो गए थे ।

xvii) पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 के अनुसार वर्तमान जांच में प्राधिकारी के समक्ष विचाराधीन अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को किया गया है । प्रकटन विवरण पर प्राप्त टिप्पणियों पर संगत समझी गई सीमा तक इन जांच परिणामों में विधिवत विचार किया गया है ।

xviii) प्राधिकारी न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण प्राधिकारी द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल द्वारा उपलब्ध कराया और नियम 6(7) के अनुसार उसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुला रखा ।

xix) *** यह चिन्ह किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना के द्योतक है और प्राधिकारी ने गुणवगुण आधार पर उसे नियमानुसार गोपनीय ही माना है ।

xx) वर्तमान जांच के दौरान जहां किसी हितबद्ध पक्षकार ने अवश्यक सूचना जुटाने से मना किया है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डाली है वहां प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर ये जांच परिणाम दर्ज किए हैं ।

xxi) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय अधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी । संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता प्रदान की है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है जिसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है । जहां कहीं संभव हुआ है गोपनीय अधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिया गया था ।

xxii) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह आयेदन का समर्थन करने वाले टेनफेक इंड लिमिटेड से संबंधित सूचना प्रस्तुत करें जिसे याचिकाकर्ता ने प्रस्तुत किया था । मै. टेनफेक इंड लि. के आंकड़ों में कमियों को सुधारने के लिए याचिकाकर्ता को एक पत्र जारी किया गया था परंतु इन कमियों में पूर्ण सुधार नहीं किया गया है तथा प्राधिकारी ने मै. टेनफेक द्वारा प्रदत्त सूचना पर वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ क्षति रहित कीमत के निर्धारण और क्षति विश्लेषण हेतु संगत सीमा तक विचार किया गया है ।

4 प्रकटन विवरण के उत्तर में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई टिप्पणियांघरेलू उद्योग

- परिकलित सामान्य मूल्य, पाटन मार्जिन और निर्यात कीमत, जो पूर्व में घरेलू उद्योग की सूचना अथवा सार्वजनिक सूचना पर आधारित थे, का प्रकटन घरेलू उद्योग को करना चाहिए। पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में गोपनीयता का दावा करने के बारे में निर्दिष्ट प्राधिकारी में किसी अधिकार की परिकल्पना नहीं है।
- प्रकटन विवरण में प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन तथा घरेलू उद्योग द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन में कोई खास अंतर नहीं है।
- प्रकटन विवरण में "शुल्क के स्वरूप" के मुद्दे का कोई उल्लेख नहीं है। पाटनरोधी शुल्क को अम.डा. में शुल्क प्रति किग्रा. के रूप में व्यक्त पाटनरोधी शुल्क (शुल्क का निर्धारित स्वरूप) की निर्धारित मात्रा भी लगाई जा सकती है। विचाराधीन उत्पाद के लिए शुल्क के बैंचमार्क स्वरूप इस वजह से उचित नहीं है क्योंकि प्रमुख कच्ची सामग्री फ्लौर्स पार्क की कीमत में काफी अंतर है।
- टेनफेक ने प्राप्त सभी कमियों का उत्तर दिया है। इसके होते हुए भी यदि टेनफेक के आंकड़े त्रुटिपूर्ण थे तो प्राधिकारी द्वारा उनका आंशिक रूप से उपयोग करने के बजाए अस्वीकृत कर दिया जाना चाहिए था।
- संचयी निर्यात कीमत के जरिए उत्पाद के अलग-अलग सांद्रण हेतु भारित औसत पाटन मार्जिन का निर्धारण सही नहीं है। चूंकि आयात अलग-अलग सांद्रणों में किए गए हैं, इसलिए शुद्धता को 100 प्रतिशत तक व्यक्त कर आयातों को संचित नहीं किया जा सकता। ऐसा इस वजह से है क्योंकि अन्य बातों के साथ-साथ उत्पाद की पैकिंग लागत उसके सांद्रण को ध्यान में रखे बिना एक समान रहती है।
- आधार वर्ष और जांच अवधि के बीच घरेलू उद्योग के निष्पादन की तुलना करना उचित नहीं है। अंतिम छोर से अंतिम छोर तक के विश्लेषण के बजाए क्षति अवधि के भीतर घरेलू उद्योग की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखा जाना चाहिए। प्राधिकारी को वर्ष दर वर्ष विश्लेषण करके क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन पर विचार करना चाहिए।
- पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को पाटन के कारण क्षति होगी। सेस्टेट ने विभिन्न मामलों में स्पष्ट तौर पर यह माना है कि कीमत कटौती, पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन सकारात्मक होने की स्थिति में पाटनरोधी शुल्क जारी रखना अपेक्षित है।
- प्राधिकारी को उत्पाद के विंगत पाटन और घरेलू उद्योग के निष्पादन पर ऐसे पाटन के प्रभाव की वास्तविकता पर विचार करना चाहिए।
- भारत में खपत की तुलना में आयातों में वर्ष 2006–07 तथा वर्ष 2008–2009 अर्थात् निर्णायक समीक्षा के जांच चरण के दौरान भारी गिरावट आई है। तथापि, जांच अवधि में आयातों के

बाजार हिस्से में पुनः तेजी से वृद्धि हुई । आयातों की समग्र मात्रा में वृद्धि हुई और यह काफी अधिक थी ।

- 10 प्रतिशत से कम के बाजार हिस्से को प्राधिकारी द्वारा की गई कई जांचों में भी पर्याप्त माना गया है । चूंकि वर्तमान जांच एक मध्यावधिक समीक्षा जांच है जिसमें पाटनरोधी शुल्क लगाया गया है इसलिए यह निष्कष निकाला जाए कि पाटित कीमत पर आयातों की रोकथाम हेतु शुल्क का मौजूदा स्तर अपर्याप्त है ।
- प्राधिकारी ने स्पष्टतः यह पाया है कि आयातों से उत्पाद की कीमत में भारी कटौती हो रही है । प्राधिकारी ने पाया है कि आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में ह्रास हो रहा है । याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि नियमों में कीमत कटौती अथवा कीमत ह्रास/न्यूनीकरण की मौजूदगी का स्पष्ट प्रावधान है । दोनों ही कीमत प्रभावों की मौजूदगी अनिवार्य नहीं है ।
- घरेलू उद्योग ने ऋषिरूप पालीमर्स प्रा. लि. बनाम नि. प्रा. (2006 (196) ई एल टी 129 (एस सी) के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय का हवाला दिया है । यह देखा जाएगा कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने जो तर्क दिया और उस पर न्यायाधिकरण तथा उच्चतम न्यायालय ने सहमति व्यक्त की वह यह है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने जांच अवधि की तुलना पूर्ववर्ती वर्ष के साथ की है और यह कानूनन न्यायोचित है । इस निर्णय का पालन करते हुए और इस बात पर विचार करते हुए कि आधार वर्ष निर्णायक समीक्षा की जांच अवधि का एक भाग है और वर्ष 2007-08 तथा 2008-09 जांच चरण के भाग हैं । निर्दिष्ट प्राधिकारी को वर्तमान मामले में क्षति विश्लेषण करना चाहिए ।
- वर्ष 2008-09 और जांच अवधि के बीच घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई । इसके अलावा, यह गिरावट आबद्ध खपत को छोड़ने के बाद आई है और इसलिए आबद्ध खपत में घटबढ़ से यह अप्रभावित रही है । वस्तुतः आबद्ध खपत को छोड़कर मांग में वृद्धि हुई है जबकि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है ।
- लाभ, आय और नकद लाभ : लाभ, लगाई गई पूंजी पर आय और नकद लाभ के कारण घरेलू उद्योग के निष्पादन के बारे में याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि वर्तमान निष्पादन (i) इसमें घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित स्टॉक अभिलाभ शामिल होने और (ii) यह कच्ची सामग्री की कीमत में उच्च घटबढ़ की अवधि से संबंधित होने के कारण पाटित आयातों के प्रभाव का प्रतिनिधिक नहीं है ।
- चूंकि फ्लोर्स पार्क की कीमत में काफी अधिक उत्तार-चढ़ाव आया है इसलिए घरेलू उद्योग की इस अवधि के दौरान लाभप्रदता में वह कीमत दर्शायी गई है जिस पर फ्लोर्स पार्क की खरीद की गई है । दूसरे शब्दों में ये लाभ टेनफेक द्वारा काफी पुरानी कीमत पर खरीदे गए फ्लोर्स पार्क से अर्जित किए गए हैं और इनमें मामले की जांच अवधि में फ्लोर्स पार्क की वर्तमान कीमत प्रदर्शित नहीं होती है ।
- यदि घरेलू उद्योग आयातों की पहुंच कीमत के बराबर कीमत पर उत्पाद की बिकी करता है तो घरेलू उद्योग को भारी वित्तीय घाटा होगा ।
- मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद घरेलू उद्योग की मालसूची में वृद्धि हुई है ।

- **निवल बिक्री प्राप्ति की तुलना में क्षति रहित कीमतः** यह तथ्य पूर्णतः सार रहित है कि घरेलू उद्योग क्षति रहित कीमत से अधिक कीमत की वसूली कर सकता है । क्षति रहित कीमत क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु परिकलित वैकल्पिक कीमत होती है । कीमत प्रभाव तय करने में क्षति रहित कीमत पूर्णतः अप्रासंगिक है । कीमत प्रभाव हेतु कीमत कटौती, हास, न्यूनीकरण तथा क्षति मार्जिन संगत मापदंड हैं ।
- 11 प्रतिशत का बाजार हिस्सा नगण्य नहीं माना जा सकता । मध्यावधिक समीक्षा अथवा निर्यातीक समीक्षा में आयातों की मात्रा संभावना की दृष्टि से निर्धारणकारी कारक नहीं होते हैं ।
- **प्राधिकारी ने स्पष्टतः** यह पाया है कि वर्ल्ड ट्रेड एटलस में उपलब्ध सूचना से पता चलता है कि तीसरे देशों को हुए चीन के निर्यात काफी अधिक हैं और उनकी कीमत भारत के लिए कीमत की तुलना में मामूली कम है । भारतीय बाजार में उच्च कीमत के कारण यह स्पष्ट होता है कि इन तीसरे देशों को होने वाले निर्यात भारतीय बाजार में भेजे जाएंगे ।
- चीन द्वारा नियंत्रित फ्लोर्स पार्क एक कच्ची समग्री है और फ्लोर्स पार्क और क्यू एच एफ एसिड की कीमत में घटबढ़ से स्पष्टतः पाटन तथा क्षति की संभावना की पुष्टि होती है । एच एफ एसिड की आयात कीमत फ्लोर्स पार्क के कारण लागत में हुई वृद्धि के अनुरूप नहीं रही है । इससे स्पष्टतः पता चलता है कि एच एफ एसिड की आयात कीमत फ्लोर्स पार्क की कीमत से प्रभावित नहीं होती है (परंतु उत्पादकों के पास उपलब्ध अतिरिक्त क्षमताओं और उनके निर्यातोनुखी दृष्टिकोण के कारण ऐसा हुआ है) । जब निविष्टि की लागत में वृद्धि हुई है तो चीन के उत्पादकों ने लागत में वृद्धि के अनुपात में अपनी कीमतें नहीं बढ़ाई है । जब निविष्टि की कीमत में गिरावट आई है तो उत्पाद की कीमत में लागत में आई गिरावट से काफी अधिक गिरावट की गई है । अतः स्पष्ट होता है कि चीन के उत्पादक फ्लोर्स पार्क से कोई संबंध रखे बिना अपने उत्पाद की कीमत निर्धारित करने में सक्षम हैं ।

मै. मद्रास फ्लोरिन प्रा.लि. तथा मै. फ्लोराइड्स एंड कैमिकल्स

- घरेलू उद्योग ने अपने अगले अनुरोध प्रकटन विवरण जारी होने के मात्र 5 दिन पहले दायर किए हैं । इससे स्पष्ट होता है कि घरेलू उद्योग हितबद्ध पक्षकारों को अवसर देना नहीं चाहता अन्यथा वह सार्वजनिक सुनवाई के बाद उनके द्वारा दायर अनुरोधों में और अनुरोध दायर कर सकता था ।
- समस्त आर्थिक संकेतकों के मूल्यांकन से स्पष्टतः यह सिद्ध होता है कि चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तु के तथाकथित आरोपित पाटन के परिणामस्वरूप किसी आर्थिक मापदंड के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है । उपाय की आरोपित अपर्याप्तता के बावजूद घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति उसकी क्षति रहित कीमत से अधिक बनी रही ।
- इसके अलावा, वर्तमान क्षति के अभाव में क्षति जारी रहने का मुददा कभी नहीं उठता है और इसके अलावा, जांच अवधि में चीन जन. गण. से हुए आयात की मात्रा आधार वर्ष के स्तर से कम रही है ।

- घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है और न ही क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना है क्योंकि शुल्क लागू होने के बाद उपया अप्रभावित रहे हैं और इसके अलावा, क्षति रहित कीमत निवल बिक्री प्राप्ति से अधिक बनी हुई है अतः संभावित क्षति का कोई प्रश्न नहीं उठता। घरेलू उद्योग ने लगभग समस्त क्षति मापदंडों, जिनमें उत्पादन, घरेलू बिक्री, क्षमता उपयोग, घरेलू लाभ, आर औ सी ई, निवल बिक्री प्राप्ति शामिल हैं, पर्याप्त वृद्धि दर्ज की है।
- विदेशी उत्पादकों के बेशी उत्पादन क्षमता के कारण घरेलू उद्योग द्वारा किया गया संभावित क्षति का दावा वैध नहीं है क्योंकि अपने दवे के समर्थन में घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त साक्ष्य वर्ष 2008 के लिए है न कि जांच अवधि के लिए चीन हाइड्रोफ्लोरिक बाजार रिपोर्ट 2008–09 के अनुसार चीन में मांग 9 लाख टन की है और क्षमता उपयोग 87.33 प्रतिशत है। रसायन क्षेत्र में 87.33 प्रतिशत की क्षमता उपयोग को अत्यंत बेहतर उपयोग माना जाता है अतः बेशी क्षमता का दावा नहीं बनता है।
- इसके अलावा, माननीय सेस्टेट ने भारतीय रिपनर एसो. बनाम नि. प्रा. के मामले में यह निर्णय दिया है कि किसी निर्यातक के पास मात्र बेशी क्षमता से यह निश्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि "वास्तविक क्षति का आसननवर्ती खतरा" इतना अधिक है कि शुल्क को जारी रखा जाए।
- भारतीय बाजार में मांग चीन के उत्पादकों के लिए आकर्षक भी नहीं है ताकि वे आसानी से अत्यधिक हिस्सा हासिल कर सकें क्योंकि वर्ष 2006–07 से घरेलू उद्योग पर कोई कीमत प्रभाव नहीं देखा जा सकता। अतः घरेलू उद्योग द्वारा ऐसे अनुमानों के आधार पर क्षति की संभावना को प्रदर्शित करने के किसी प्रयास को अस्वीकृत किया जाना चाहिए क्योंकि वास्तविक आंकड़ों से घरेलू उद्योग का तर्क पूर्णतः निराधार ठहरता है।
- जांच अवधि के दौरान चीन जन गण से हुए आयातों में वृद्धि आधार वर्ष के स्तर से कम रही है और इससे घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत पर अथवा उसके निष्पादन पर किसी प्रतिकूल प्रभाव का पता नहीं चलता है।
- आधार वर्ष 2006–07 की तुलना में जांच अवधि में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और इसमें वर्ष 2008–09 की तुलना में जांच अवधि में 4 प्रतिशत की गिरावट आई है। अतः यह तथ्य कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत क्षति रहित कीमत से काफी अधिक थी स्पष्ट: यह सिद्ध करता है कि ऐसी गिरावट कोई महत्व नहीं रखती है। घरेलू उद्योग के पास कम कीमत (क्षति रहित कीमत स्तर) पर बिक्री करने का विकल्प था और वह अपना बाजार हिस्सा बनाए रख सकता था।
- यह अनुरोध किया गया है कि घरेलू उद्योग की लागत और कीमत संरचना से समग्रतः यह पता चलता है कि जांच अवधि में घरेलू उद्योग में कीमत वृद्धि आधार वर्ष की तुलना में लागत से अधिक हुई है। अतः आधार वर्ष के रूप में 2006–07 पर विचार करते हुए काई कीमत हास/न्यूनीकरण नहीं हुआ है। इस संबंध में अनुरोध है कि आधार वर्ष अथवा पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान आरोपित पाइट आयातों के कारण घरेलू उद्योग पर काई कीमत हासकारी प्रभाव नहीं पड़ा है।
- जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पाद और क्षमता उपयोग में गिरावट आई है परंतु यह गिरावट आबद्ध खपत में आई गिरावट के अनुरूप है।

- वर्ष 2008-09 के दौरान पाटन से इतर कारकों के कारण लाभ/हानि की स्थिति खराब हुई है क्योंकि मै. टेनफेक ने 12108 रुपए प्रति मी.ट. का भारी लाभ कमाया है जबकि मै. नवीन ने इसी अवधि में घाटा उठाया था । इसके अलावा, मै. नवीन को घाटा अन्य कारकों के कारण हुआ था जो उच्च दर पर कच्ची सामग्री की खरीद और कच्ची सामग्री के असामान्य उच्च खपत मानक आदि रहे थे ।
- घरेलू उद्योग ने 11.5.2011 के अपने पत्र द्वारा किए गए अपने अनुरोध में निवेश पर आय 2006-07 में 27 प्रतिशत, 2007-08 में 39 प्रतिशत, 2008-09 में 12 प्रतिशत और जांच अवधि में 29 प्रतिशत होने का दावा किया है जिसका तात्पर्य यह है कि निवेश पर आय समूची क्षति अवधि में 22 प्रतिशत से अधिक रही थी । निवल बिकी प्राप्ति क्षति अवधि में उचित कीमत से अधिक रही है । इसके अलावा, घरेलू उद्योग के दावे के अनुसार 2008-09 में निवेश पर आय 12 प्रतिशत रही थी और यह कम निवेश पर आय मै. नवीन के खपत मानकों में वृद्धि के कारण हुई थी अन्यथा निवेश पर आय 22 प्रतिशत से अधिक रही होती ।
- मै. नवीन की कच्ची सामग्री (फ्लोर्स पार्क) की कीमत न केवल मै. टेनफैक की कीमत से अधिक है अपितु अंतर्राष्ट्रीय कीमत से भी अधिक है । अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध है कि कृपया विश्लेषण हेतु जांच अवधि हेतु फ्लोर्सपार से कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमत ली जाए ।
- घरेलू उद्योग ने क्षति अवधि के दौरान लगाई गई पूँजी पर भारी आय अर्जित की है । अतः अनुरोध है कि घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है । घरेलू उद्योग की निवेश पर आय क्षति अवधि में 22 प्रतिशत से अधिक रही है जिसका तात्पर्य यह है कि घरेलू उद्योग की बिकी कीमत सकारात्मक कीमत कटौती और निष्प्रभावी उपायों के बावजूद उचित कीमत से अधिक रही है ।
- पाटनरोधी शुल्क को निरंतर लागू रखने की समीक्षा की जाती है और वर्तमान मामले में पाटनरोधी शुल्क आधार वर्ष 2006-07 से लागू है । अतः वर्ष 2006-07 से वर्तमान जांच में क्षति विश्लेषण की उपयुक्तता से संबंधित तर्क में काई दम नहीं है ।
- अनुरोध है कि चीन जन गण से संबंधित वस्तु की पहुंच कीमत 2006-07 से संदर्भ कीमत की तुलना में अधिक रही है ।
- चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत 2006-07 से राजस्व विभाग द्वारा 28 अप्रैल, 2008 की अधिसूचना के तहत लगाई गई संदर्भ कीमत से अधिक रही है । अतः प्राधिकारी से अनुरोध है कि वह जांच अवधि के आंकड़ों की तुलना तथ्यपरक विश्लेषण के प्रयोजनार्थ आधार वर्ष से करें न कि तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष से ।
- हाइड्रोफ्लूरिक एसिड की बिकी तनु सांदर्भों में की जाती है जो 20 प्रतिशत से 70 प्रतिशत के बीच होते हैं जिन्हें मूल जांच में संक्षेप में 20 प्रतिशत से 70 प्रतिशत अथवा 100 प्रतिशत शुद्ध एनहाइड्रस अर्थात् ए एच एफ (100 प्रतिशत सांदर्भ) उल्लिखित किया गया है अतः चीन जन.गण. की निर्यात कीमत की तुलना हेतु इसे केवल ए एच एफ पर लिया जाना चाहिए ।
- ऐसा कोई विश्लेषण ही नहीं किया गया है जिससे उनके इन दावों का समर्थन मिल सके कि घरेलू उद्योग को क्षति उस स्थिति में किस प्रकार पुनः होगी जब घरेलू उद्योग की निवल बिकी प्राप्ति आरोपित उपाय की अपर्याप्तता के बावजूद क्षति रहित कीमत से अधिक बनी हुई है ।

अतः यह दावा मात्र अनुमानों पर आधारित है और इसमें कोई आधार नहीं है । अतः इसे अस्वीकार किया जाए ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

क. चीन जन.गण. के असहयोगी निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य की गणना की कार्यप्रणाली और पाटन मार्जिन की प्रतिशत रेंज का प्रकटन किया गया है । प्राधिकारी द्वारा विचारित निर्यात कीमत का भी खुलासा किया गया है ।

ख. जहां तक प्रकटन विवरण में शुल्क के स्वरूप से संबंधित मुददे का हवाला न देने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमावली के नियम 16 के अंतर्गत प्राधिकारी के लिए अपेक्षित है कि वह विचाराधारीन उन अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन करें जो उसके निर्णय के आधार शुल्क का स्वरूप प्राधिकारी की संस्तुति का भाग है न कि कोई अनिवार्य तथ्य ।

ग. प्राधिकारी ने मै. टेनफैक द्वारा प्रयुक्त उन आंकड़ों का प्रयोग किया है जिन्हें घरेलू उद्योग को हुई क्षति के निर्धारण हेतु संगत पाया गया है । नियम 6(8) में प्राधिकारी को यह शक्ति दी गई है कि वह किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा त्रुटिपूर्ण आंकड़े उपलब्ध कराए जाने की स्थिति में उपलब्ध तथ्य के अधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज करें ।

घ. जहां तक इस दावे का संबंध है कि आयातों का संचयन 100 प्रतिशत की शुद्धता के रूप में नहीं किया जा सकता क्योंकि आयात अलग-अलग सांदणों में किए जाते हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने एचएफ ऐसिड के अलग-अलग सांदणों हेतु पृथक पाटन मार्जिन का कभी भी दावा नहीं किया है । दूसरी ओर घरेलू उद्योग ने स्वयं अपने आवेदन में 100 प्रतिशत स्तर की शुद्धता को व्यक्त कर एच एफ ऐसिड के आयात का दावा किया है ।

ड. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि प्राधिकारी वर्ष दर वर्ष विश्लेषण कर समूची क्षति अवधि के लिए घरेलू उद्योग के निष्पादन पर विचार कर सकते हैं । इस संबंध में प्राधिकारी ने आधार वर्ष जब से चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क में 25 मार्च, 2008 की निर्णाक समीक्षा संबंधी अंतिम जांच परिणाम द्वारा संशोधन किया गया था और राजस्व विभाग द्वारा 28 अप्रैल, 2008 की अधिसूचना के तहत शुल्क लगाया गया था, के अतिरिक्त जांच अवधि के दौरान निष्पादन की तुलना वर्ष 2008-09 के साथ भी की है ।

च. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लागू किए जाने के बाद विचाराधीन उत्पाद का पाटन यद्यपि जारी है, जिससे पाटनरोधी शुल्क जोड़ने के बाद घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो रही है और क्षति माजिन भी सकारात्मक है । तथापि, घरेलू उद्योग की मात्रा और कीमत पर उसके प्रतिकूल प्रभाव का अभाव है ।

छ. जहां तक कीमत छास का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि आयात कीमतें तुलनात्मक रूप में (अर्थात् प्रतिशत रूप में) घरेलू उद्योग की कीमत में छासकारी पाई गई थी। तथापि, समग्र रूप में ऐसा नहीं है। समग्र रूप में घरेलू उद्योग की बिकी कीमत में वृद्धि आधार वर्ष तथा वर्ष 2008-09 की तुलना में बिकी लागत से अधिक है।

ज. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग का निष्पादन दो अंतरों अर्थात् बिकी, लागत और बिकी कीमत का कारक है। जहां तक बिकी लागत का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. नवीन फ्लोरिन द्वारा खपत किया गया फ्लोस्पार की कीमत फ्लोस्पार की अंतर्राष्ट्रीय कीमत से अधिक है। आवेदन दायर करते समय मै. नवीन फ्लोरिन ने फ्लोस्पार की उच्च कीमत के लिए किसी अधोगामी समायोजन का दावा नहीं किया है। अब मै. टेनफैक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के बाद जिसकी लागत के बारे में यह दावा किया गया है कि वह अंतर्राष्ट्रीय कीमत से कम है, घरेलू उद्योग यह तर्क दे रहा है कि मै. टेनफैक ने फ्लोस्पार की खरीद काफी पुरानी कीमत पर की है और उसमें मामले की जांच अधि में फ्लोस्पार की वर्तमान कीमत प्रदर्शित नहीं होती है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के 'अलग'-अलग संघटकों के विरोधाभाशी दृष्टिकोण और वह भी प्रकटन विवरण के काफी बाद के चरण में किए जाने से स्वीकार नहीं किया जा सकता। बिकी कीमत के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह आयात कीमत और क्षति रहित कीमत से काफी अधिक है।

झ. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि क्षति रहित कीमत से अधिक कीमत वसूली नितांत अप्रासंगिक है और क्षति रहित कीमत क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु परिकलित एक वैकल्पिक कीमत है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के वास्तविक आंकड़ों पर क्षति रहित कीमत आधारित होती है और उसमें संबद्ध वस्तु की उचित बिकी प्रदर्शित होती है। क्षति रहित कीमत की तुलना में बिकी प्राप्ति एक ऐसा आर्थिक मापदंड है, जिससे घरेलू उद्योग की स्थिति प्रदर्शित होती है। नियमावली के अनुबंध II के पैरा (iv) के अनुसार प्राधिकारी के लिए घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत कारकों और संकेतकों पर विचार करना अपेक्षित है।

ट. जहां तक वर्ल्ड ट्रेड एटलस के अनुसार तीसरे देशों की तुलना में भारतीय बाजार में चीन जन गण द्वारा उच्च निर्यात कीमतों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ल्ड ट्रेड एटलस की कीमतें समस्त सांद्रण स्तर के एवं एफ एसिड के लिए औसत कीमतें हैं और इसलिए ये किसी खास कीमत प्रवृत्ति की प्रतिनिधि नहीं है।

ठ. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि जब निविष्टि लागत में वृद्धि हुई है तो चीन के उत्पादकों ने लागत में वृद्धि के अनुपात में अपनी कीमत नहीं बढ़ाई है और जब निविष्टि लागत में गिरावट आई है तो उत्पाद की कीमत में लागत में आई गिरावट से काफी अधिक कमी की गई है, प्राधिकारी ने इस मुद्दे की जांच हेतु चीन जन.गण. से आयातों के कीमत प्रभाव की जांच की है।

ड. प्राधिकारी सामान्यतः विलंबित अनुरोध स्वीकार नहीं करते हैं। तथापि, वर्तमान मामले में जब आवेदन मै. नवीन फ्लोरिन इंट. लि. द्वारा वर्तमान मध्यावधिक समीक्षा जांच हेतु दायर किया गया था, मै.

टेनफैक इंड. लि. ने बाद में प्राधिकारी से सहयोग किया था और प्राधिकारी ने सुनवाई के पश्चात सूचना प्रदान करने का अवसर प्रदान किया था। प्राधिकारी ने क्षति विश्लेषण हेतु दोनों कंपनियों द्वारा प्रदत्त सूचना पर विचार किया है। अतः प्राधिकारी ने मै. नवीन फ्लॉरिन इंट. लि., मै. टेनफैक इंड. लि. जिसे 11 मई, 2011 को घरेलू उद्योग बनाया गया था, के संयुक्त आंकड़ों के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोधों पर विचार किया और उसकी प्रति सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध रखी।

३. घरेलू उद्योग ने चाइना कैमिकल रिपोर्टर (सी सी आर) से प्राप्त चीन जन गण में बेशी क्षमताओं का साक्ष्य उपलब्ध कराया तथा आयातक मै. मद्रास फ्लूरिन ने उसी अवधि 2008 के लिए चाइना हाइड्रोफ्लूरिक मार्किट रिपोर्ट 2008–09 से साक्ष्य उपलब्ध कराया। दोनों रिपोर्टों में एच एसिड के लिए चीन जन गण में क्षमताओं की विरोधाभाशी स्थिति का पता चलता है। इससे चीन के सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध सूचना की अविश्वसनीयता प्रकट होती है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन गण में संबद्ध वस्तु की उत्पादन क्षमता का पता लगाने के लिए ऐसी सूचना पर भरोसा नहीं किया जा सकता।

४. उपर्युक्त के अलावा, प्राधिकारी ने इस जांच परिणाम के संगत खंडों में उन सभी मुद्दों पर विचार किया है जिन्हें हितबद्ध पक्षकारों ने उठाया है और जिन्हें इस मामले में संगत पाया गया है।

५. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

घरेलू उद्योग के विचार

५. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के बारे में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं :

- i. वर्तमान समीक्षा जांच एक मध्यावधि समीक्षा जांच है। मूल जांच, निर्णायक समीक्षा जांच और वर्तमान मध्यावधिक समीक्षा जांच में शामिल उत्पाद हाइड्रो फ्लॉरिक एसिड है। वर्तमान मध्यावधिक समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद वहीं है जैसा कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पूर्ववर्ती जांचों में माना है।
- ii. हाइड्रोफ्लॉरिक (या एचएफ) एसिड तरल या गैस तथा एनहाइड्रस या जलीय/तनुकारी रूप में हो सकता है। इसका उपयोग गैसोलिन अल्कीलेशन हेतु, अकार्बनिक फ्लोराइड्स, फ्लूरीनेटिड हाइड्रोकार्बन योगिकों, रेफरीजरेंटों के विनिर्माण में स्टेनलेस स्ट्रिपों तथा उच्च सिलिकन शीटों, ग्लास एचिंग आदि को आकार देने हेतु एक पिकलिंग एजेंट के रूप में किया जाता है।
- iii. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और चीन जन.गण. से आयातित हाइड्रो फ्लॉरिक एसिड समान वस्तु है।

iv. हाइड्रो फ्लोरिक एसिड एक अकार्बनिक रसायन है जो सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 28 तथा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सी. शु. उपशीर्ष 281111 के अंतर्गत वर्गीकृत है ।

v. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित हाइड्रो फ्लोरिक एसिड में कोई अंतर नहीं है । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित हाइड्रो फ्लोरिक एसिड भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी (विश्व भर के अधिकांश उत्पादकों द्वारा अपनाई जाने वाली) कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के रूप में तुलनीय है । उपभोक्ताओं ने दोनों का अदल-बदल कर उपयोग किया है । याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित हाइड्रो फ्लोरिक एसिड समान वस्तु है ।

vi. वर्तमान जांच एक मध्यावधिक समीक्षा जांच है । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पूर्ववर्ती जांचों में विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के मुद्दे की जांच की है जिस पर भरोसा किया गया है ।

आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

6. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के बारे में किसी भी आयातक, उपभोक्ता, निर्यातक और अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई टिप्पणी अथवा अनुरोध दायर नहीं किया है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

7. वर्तमान जांच समीक्षा जांच है । हाइड्रो फ्लोरिक एसिड के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क प्राधिकारी द्वारा पूर्व में की गई सिफारिशों के आधार पर लगाया गया था । विचाराधीन उत्पाद हाइड्रो फ्लोरिक एसिड है । मूल जांच में यथापरिभाषित वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद चीन जन.गण. के मूल के या वहां से निर्यातित सभी स्वरूपों, शुद्धताओं और सांद्रणों वाला हाइड्रोफ्लोरिक एसिड है । हाइड्रोफ्लोरिक (या एचएफ) एसिड तरल या गैस तथा एनहाइड्रस या जलीय/तनुकारी रूप में हो सकता है । इसका उपयोग गैसोलिन अल्कीलेशन हेतु, अकार्बनिक फ्लोराइड्स, फ्लूरीनेटिड हाइड्रोकार्बन योगिकों, रेफरीजरेंटों के विनिर्माण में स्टेनलेस स्ट्रिपों तथा उच्च सिलिकन शीटों, ग्लास एचिंग आदि को आकार देने हेतु एक पिकलिंग एजेंट के रूप में किया जाता है । प्रयुक्त कच्ची सामग्रियां ऐसिड ग्रेट फ्लूर्सपार, सल्फ्यूरिक एसिड तथा ओलियम हैं, जिन्हें पूर्व निर्धारित दरों से प्रीरिएक्टर में डाला जाता है, मिलाया जाता है और उसे समधर्मी मिश्रण में परिवर्तित किया जाता है एवं एचएफ ऐसिड रिएक्टर में पहुंचा दिया जाता है । परिणामी एचएफ गैस को धुलाई हेतु प्री स्कर्बिंग टावर ले जाया जाता है और तत्पश्चात इसे प्रशीतित कैल्सियम क्लोराइड मिश्रण का उपयोग करते हुए संघनित किया जाता है । तत्पश्चात तरल पदार्थ को निथारण द्वारा शुद्ध किया जाता है और एनहाइड्राइड्ट उपोत्पाद को अलग से प्राप्त किया जाता है । एचएफ एसिड की बिक्री 20% से 70% तक के तनुकारी सांद्रणों में की जाती है ।

8. हाइड्रोफ्लूरिक एसिड एक अकार्बनिक रसायन है जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 28, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीशु. उपशीर्ष 281111 तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार वर्गीकरण के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच जो कि एक मध्यावधि समीक्षा जांच है और इसका क्षेत्र विस्तार मूल जांच में पहले से अभिज्ञात उत्पाद तक सीमित है, के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

9. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में यह विनिर्दिष्ट है कि समान वस्तु का अर्थ एक ऐसी वस्तु से है जो भारत में पाटन के लिए जांच के अधीन वस्तु के समान हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य ऐसी वस्तु से है जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान न हो तब भी उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हो। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उसके द्वारा उत्पादित वस्तु संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित हाइड्रोफ्लूरिक एसिड में संबद्ध देश से आयातित हाइड्रोफ्लूरिक एसिड से मिलती-जुलती विशेषताएं हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु का संबद्ध देश से आयातित वस्तु के साथ अदल-बदल कर उपयोग होता है। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित हाइड्रोफ्लूरिक एसिड नियमों के अर्थ के भीतर समान वस्तुएं हैं।

ग. घरेलू उद्योग

घरेलू उद्योग के विचार

10. घरेलू उद्योग के आधार के बारे में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:-

(क) याचिका मै. नवीन फ्लोरिन इंटरनेशनल लिमिटेड ने दायर की थी। संबद्ध वस्तु का उत्पादन टेनफैक इंड लिमिटेड, एस आर एफ लिमिटेड तथा गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लिमिटेड द्वारा भी किया जाता है। मै. टेनफैक इंड लिमिटेड ने याचिका का समर्थन किया है। मै. एस आर एफ लि. तथा गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लिमिटेड द्वारा मुख्यतः आबद्ध प्रयोजन हेतु संबद्ध उत्पाद का उत्पादन किया जा रहा है।

(ख) याचिकाकर्ता का उत्पादन भारतीय उत्पादन में एक बड़ा हिस्सा रखता है और इसलिए याचिकाकर्ता को नियमों के अर्थ के भीतर "घरेलू उद्योग" माना जाना चाहिए।

निर्यातिक, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

11. मै. टेनफैक इंड लिमिटेड, जिसका भारतीय उत्पादन में 50.33% हिस्सा है, ने अपने आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं। भारतीय उत्पादन में एक बड़ा हिस्सा होने के कारण इसके आंकड़ों पर

तथ्यपरक क्षति विश्लेषण हेतु विचार किया जाना चाहिए ताकि भारतीय उद्योग की सही स्थिति का पता चल सके ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

12. वर्तमान जांच समीक्षा जांच है । हाइड्रो फ्लोरिक एसिड के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क प्राधिकारी द्वारा पूर्व में की गई सिफारिशों के आधार पर लगाया गया था । यह नोट किया जाता है कि टेनफे इंड लिमिटेड ने पिछली निर्णायक समीक्षा जांच में समस्त संगत सूचना प्रदान की थी । समर्थक मै. नवीन फ्लूरिन इंटरनेशनल लिमिटेड के साथ मै. टेनफे इंड लिमिटेड, पूर्ववर्ती निर्णायक समीक्षा जांच के समय घरेलू उद्योग थे ।

13. हालांकि वर्तमान मध्यावधिक समीक्षा जांच में आवेदन मै. नवीन फ्लूरिन इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा दायर किया गया था, तथापि मै. टेनफे इंड लिमिटेड ने बाद में प्राधिकारी के साथ सहयोग किया और सूचना प्रदान की । चूंकि मै. नवीन फ्लूरिन इंटरनेशनल लिमिटेड तथा टेनफे इंड लिमिटेड, दोनों ने वर्तमान जांचों में प्राधिकारी के साथ सहयोग किया है और उनका उत्पादन भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन का लगभग 99% बनता है, इसलिए प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ उन्हें घरेलू उद्योग माना है ।

14. अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक आधार की पूर्ति हेतु अपेक्षित मानदंडों को पूरा करते हैं और वे पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(क) की अपेक्षानुसार घरेलू उद्योग हैं ।

अन्य मुद्दे

घरेलू उद्योग के विचार

15. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं:

- i. किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी द्वारा जारी प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है । अतः निर्यातकों को नियम 6(8) के अनुसार असहयोगी माना जाना चाहिए और प्राधिकारी को सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के अनुसार कार्रवाई करनी चाहिए ।
- ii. आयातकों द्वारा दायर उत्तर न केवल समय सीमा से काफी बाहर हैं अपितु, उत्तर दायर करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से 7 माह से अधिक समय के बाद दायर किए गए हैं जिसे उचित नहीं माना जा सकता । अतः आयातकों द्वारा प्रस्तुत उत्तर को उपर्युक्त आधार पर रद्द किया जाना चाहिए ।
- iii. आयातकों द्वारा प्रस्तुत उत्तर का अगोपनीय रूपांतरण पाटनरोधी करार तथा नियमावली के नियम 7 की अपेक्षानुसार घरेलू उद्योग को उपलब्ध नहीं कराया गया है ।
- iv. दोनों आयातक वर्तमान कार्रवाई के दौरान पहली बार मौखिक सुनवाई के समय सामने आए । इन दोनों में से एक ने यह भी दावा किया कि उसने प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है परंतु सार्वजनिक फाइल में उसका अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध नहीं है ।

v. निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क बढ़ा सकते हैं और यह सेस्टेट के समक्ष चुनौती रहित बना रहा। इस बारे में किसी तर्क को रद्द किया जाना चाहिए।

हितबद्ध पक्षकारों के विचार

16. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं:

- घरेलू उद्योग की याचिका का अगोपनीय रूपांतरण पूर्णतः त्रुटिपूर्ण है जिससे अनुरोध दायर करने के अधिकार में बाधा पहुंची है।
- चूंकि निवल बिक्री प्राप्ति घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से अधिक है, इसलिए शुल्क के स्वरूप को संदर्भ कीमत से बदलकर निर्धारित रूप में किए जाने से घरेलू उद्योग पर कोई वास्तविक प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।
- समीक्षा कार्रवाई के जरिए पहले से लागू शुल्क में वृद्धि अथवा शुल्क के रूप में परिवर्तन नहीं किया जा सकता।

प्राधिकारी द्वारा जांच

17. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार मौखिक सुनवाई के दौरान जांच से संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को अवसर प्रदान किया। प्राधिकारी ने उस मौखिक सूचना पर संगत सीमा तक विचार किया है जिसे बाद में लिखित में पुनः प्रस्तुत किया गया है। हितबद्ध पक्षकारों के विचारों पर ध्यान देते हुए उत्तर को स्वीकार करना या अस्वीकार करना एक पूर्वापेक्षा नहीं है।

18. प्राधिकारी न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण प्राधिकारी द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल द्वारा उपलब्ध कराया और नियम 6(7) के अनुसार उसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुला रखा।

19. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान मध्यावधि समीक्षा जांच अन्य बातों के साथ-साथ पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के अनुसार शुरू की गई थी। पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के अंतर्गत प्राधिकारी न केवल पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की जरूरत की जांच कर सकते हैं अपितु, उसकी राशि का निर्धारण भी कर सकते हैं जिसे रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना/आंकड़ों के आधार पर संस्तुत किए जाने की जरूरत है। इस प्रकार यह तर्क कि पहले से लागू शुल्क के स्तर में परिवर्तन, उपांतरण या संशोधन करने के प्राधिकारी के पास कोई कानूनी प्राधिकार नहीं है, निराधार है और इसलिए इसे रद्द किया जाता है।

20. मध्यावधि समीक्षा जांचों में प्राधिकारी नियमों में निर्धारित विभिन्न आर्थिक मापदंडों के आधार पर पाटनरोधी शुल्क जारी रखने की जरूरत की जांच करते हैं।

ड. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावे

21. जांच की शुरूआत के समय प्राधिकारी ने चीन जन.गण. को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानते हुए कार्रवाई की थी। जांच शुरूआत के बाद प्राधिकारी ने चीन के उत्पादकों/निर्यातकों को यह सलाह दी थी कि वे जांच शुरूआत संबंधी सूचना का उत्तर दें और उनके बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के निर्धारण हेतु संगत सूचना उपलब्ध कराएं। प्राधिकारी ने नियमावली के अनंबंध-1 के पैरा 8.3 में निर्धारित मानदंडों के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन करने के लिए समस्त ज्ञात निर्यातकों को एम ई टी प्रश्नावली की प्रतियां भेजीं। प्राधिकारी ने चीन सरकार से सूचना प्रदान करने हेतु अपने देश के उत्पादकों/निर्यातकों को सलाह देने का भी अनुरोध किया।

22. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध । के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातक (निर्यातकों) द्वारा पैराग्राफ 8 के उप पैरा(3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराते हैं और उसके विपरीत सिद्ध करते हैं। चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार विषयक प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :-

- (क) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;
- (ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बड़े खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;
- (ग) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
- (घ) विनिमय दर का परिवर्तन ब्याज की दर पर किया जाता है।

घरेलू उद्योग के विचार

23. सामान्य मूल्य के बारे में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- (i) चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भी पाटनरोधी जांचों में चीन को गैरबाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है । इसी प्रकार अमरीका और यूरोपीय आयोग ने भी पाटनरोधी जांचों में चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है ।
- (ii) संबद्ध वस्तु के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्राधिकारी को कोई उत्तर नहीं दिया है और इसीलिए विनिर्माताओं की घरेलू बिक्री कीमत अथवा उत्पादन लागत के अभाव में सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता । घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि चीन गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है, इसलिए सामान्य मूल्य का परिकलन पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार किया जाए ।
- (iii) सामान्य मूल्य का निर्धारण किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत के आधार पर नहीं किया जा सकता, किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में परिकलित मूल्य के बारे में सूचना भी याचिकाकर्ताओं के पास नहीं है । याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत या परिकलित मूल्य के आधार पर इस वजह से नहीं किया जा सकता कि संगत सूचना याचिकाकर्ता के पास उपलब्ध नहीं है ।
- (iv) चीन के उत्पादकों के लिए भारत एक उचित प्रतिनिधि देश है । भारत को प्रतिनिधि देश के रूप में माने जाने से न केवल सही और पर्याप्त सूचना प्राप्त हो सकेगी अपितु, इस बात पर विचार करने का भी कोई वास्तविक आधार नहीं होगा कि भारत उचित प्रतिनिधि देश नहीं हो सकता है ।
- (v) वर्ष 2008 और जांच अवधि में चीन से निर्यातों की पर्याप्त मात्रा की सूचना दी गई है जैसा कि आई बी आई एस से संग्रहीत सूचना से स्पष्ट होता है । यदि मौजूदा उपाय लागू होने पर भी आयातों की मात्रा इतनी अधिक है तो पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में देश में पाटित आयातों में वृद्धि होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता ।

निर्यातकों/आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

24. हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- i. घरेलू उद्योग को इस बात की पुष्टि करनी चाहिए कि आयात मात्रा, मांग, निर्यात कीमत, उत्पादन लागत, बिक्री कीमत सी एन वी तथा क्षति विश्लेषण, सामान्य संकेतकों अर्थात् ए एच एफ आधार (100 % सांद्रण) पर आधारित हैं ।
- ii. सी आई एफ निर्यात कीमत पर ए एच एफ आधार (100 % सांद्रण) पर विचार न किए जाने के मद्देनजर पाटन मार्जिन की गणना हेतु उस पर विचार करना भ्रामक है ।
- iii. याचिकाकर्ता की लागत कम क्षमता उपयोग के कारण अधिक है, जिससे उच्च परिवर्तन लागत आती है । अतः प्राधिकारी ने उचित उपयोगिता दर पर घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत पर विचार करते हुए सामान्य मूल्य की गणना की है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य

25. चीन के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने इस जांच में सहयोग नहीं किया है और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध1 के पैरा 8(2) के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का खंडन करने के लिए कोई सूचना प्रदान नहीं की है । अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था का अनुमान अखंडित रहता है । अतः प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य निर्धारित किया है । पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में लिखित अन्य तरीकों से संबंधित रिकॉर्ड में पर्याप्त सूचना न होने के कारण प्राधिकारी ने "अथवा किसी अन्य उचित आधार" की पद्धति अपनाते हुए सामान्य मूल्य निर्धारित किया है ।

26. अतः प्राधिकारी ने प्रमुख निविष्टियों की अंतर्राष्ट्रीय कीमत, कुशल घरेलू उद्योग के खपत मानकों, परिवर्तन लागत तथा एस जी ए व्यय को ध्यान में रखते हुए और 5 % के उचित लाभ मार्जिन को जोड़ने के बाद सामान्य मूल्य की गणना की है । इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य *** अम. डॉ. प्रति मी.ट. बनता है ।

निर्यात कीमत

27. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने इस जांच में प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है । जहां तक हितबद्ध पक्षकार के इस तर्क का संबंध है कि सी आई एफ निर्यात कीमत पर ए एच एफ (100%) आधार पर विचार नहीं किया गया है, निराधार है क्योंकि प्राधिकारी ने 100% सांद्रण पर एच एफ एसिड पर विचार करते हुए रिकॉर्ड में "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर "निर्यात कीमत" पर विचार किया है । 100% सांद्रण पर निर्यात मात्रा की गणना उसके सांद्रण के स्तर का निर्यात मात्रा में गुण करने के बाद की गई है ।

28. निर्यातकों/उत्पादकों के असहयोग को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने इस बात पर विचार किया कि क्या जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के निर्यात कीमत के निर्धारण में आई बी आई एस तथा डी जी सी आई एंड एस द्वारा प्रदत्त आयात के आंकड़ों का उपयोग किया जा सकता है । यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग ने आई बी आई एस द्वारा प्रदत्त सूचना के आधार पर मात्रा, मूल्य तथा आयात कीमत का दावा किया है । प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस से भी आंकड़े मांगे थे । इन दोनों स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों का मिलान किया गया था और सूचनानुसार आयातों की मात्रा और मूल्य की तुलना की गई थी । इसके विश्लेषण से यह पता चला कि जांच अवधि के दौरान डी जी सी आई एंड एस द्वारा सूचित आयातों की मात्रा आई बी आई एस द्वारा सूचित आयातों की मात्रा से अधिक थी । इस बात को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने वर्तमान निर्धारण के प्रयोजनार्थ आयातों की मात्रा, मूल्य और कीमत का निर्धारण करने के लिए डी जी सी आई एंड एस द्वारा सूचित आयात के आंकड़े स्वीकार किए हैं क्योंकि मात्रा तथा प्रति इकाई कीमत डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों में अधिक है ।

29. अतः प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस द्वारा प्रदत्त सूचना के आधार पर विचाराधीन उत्पाद की भारित औसत आयात कीमत निर्धारित की है । यह देखा गया है कि डी जी सी आई एंड एस में सूचित आयात कीमतें सी आई एफ आधार पर हैं ।

30. चीन जन.गण. से "निर्यात कीमत" के निर्धारण हेतु समस्त सूचित सौदों को हिसाब में लिया गया है और निर्यात कीमत की गणना भारित औसत आधार पर की गई है। निवल निर्यात कीमत की गणना करने के लिए अंतरदेशीय भाड़े, समुद्री भाड़े और बीमा पर किए गए व्यय, पत्तन प्रभारों और बैंक कमीशन को घटाया गया है। इस पद्धति द्वारा निवल निर्यात कीमत की गणना निम्नानुसार की गई है:

विवरण	इकाई	चीन जन.गण
आयात मात्रा	मी.ट.	1276.67
आयात मूल्य	लाख रु. में	725.51
सीआईएफ आयात कीमत	रु./मी.ट.	56828.34
विनियम दर	अम.डॉ./भा.रु.	48.90
सी आई एफ निर्यात कीमत अम.डा. में	अम.डॉ./मी.ट.	1162.13
कीमत समायोजन (कुल)	अम.डॉ./मी.ट.	118.31
कारखाना निर्यात कीमत	अम.डॉ./मी.ट.	1043.82

पाटन मार्जिन

31. कारखाना स्तर पर इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य तथा निवल निर्यात कीमत आधार पर जांच अवधि के दौरान चीन जन.गण. के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:

पाटन मार्जिन गणना:

	प्रति मी.ट.
सामान्य मूल्य (अम.डॉ.)	***
निर्यात कीमत (अम.डॉ.)	1,043.82
पाटन मार्जिन (अम.डॉ.)	***
पाटन मार्जिन %	8-18%

पाटन का जारी रहना या उसकी पुनरावृत्ति होना:

32. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध:

घरेलू उद्योग ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार तर्क दिए हैं:

(क) जांच अवधि में चीन जन.गण. से पाटित कीमतों पर निर्यात की अत्यधिक मात्रा सूचित की गई है जैसा कि अयात संबंधी सूचना से स्पष्ट होता है। लागू पाटनरोधी शुल्क पर विचार करने के बाद भी कीमत कटौती काफी अधिक है जिससे घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हो रही है।

(ख) घरेलू उद्योग को पर्याप्त राहत प्रदान करने के लिए मौजूदा उपाय नाकाफी है। यदि मौजूदा उपाय समाप्त किया जाता है तो देश में संवर्धित पाटित आयात जारी रहने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

(ग) चीन के उत्पादकों के पास बेशी क्षमताएं उपलब्ध हैं। यदि वर्तमान स्थिति जारी रहती है तो पाटन में और वृद्धि होने की संभावना है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

33. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. के किसी भी निर्यातिक/उत्पादक ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है और निर्धारित प्रपत्र में तथा ढंग से सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि डी जी सी आई एंड एस द्वारा उपलब्ध सूचना से चीन जन.गण. से 1277 मी.ट. के आयातों का पता चलता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. से एच एफ ए के निर्यातों के संबंध में वर्तमान पाटन मार्जिन काफी अधिक है।

34. जहां तक घरेलू उद्योग के इस दावे का संबंध है कि 21 मई, 2010 के चाइना कैमिकल रिपोर्टर अंक (जिसकी प्रति इस प्रकटन विवरण के साथ संलग्न है) के उद्घारणों के अनुसार चीन के उत्पादकों के पास बेशी क्षमताएं उपलब्ध हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच एक मध्यावधिक समीक्षा जांच है और नियम 23 के अंतर्गत प्राधिकारी अपनी खुद की पहल पर अथवा ऐसी समीक्षा की जरूरत की पुष्टि करने वाली सकारात्मक सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी हितबद्ध पक्षकार के अनुरोध पर तथा निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बाद उचित समय बीत जाने के बाद अपेक्षानुसार किसी पाटनरोधी शुल्क को निरंतर लागू रखने की जरूरत की समीक्षा करेंगे और ऐसी सभी समीक्षा के उपरांत निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इस आशय का निष्कर्ष निकालने के बाद कि उक्त पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने अथवा उसकी राशि में अंतर किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना नहीं है और इसलिए अब इसकी जरूरत नहीं है, केन्द्र सरकार को उक्त शुल्क वापस लेने की सिफारिश करेंगे।

च. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

घरेलू उद्योग के विचार

35. घरेलू उद्योग ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं:-

- घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले पाटन को रोकने के लिए मौजूदा उपाय अब काफी नहीं है।
- आयातों के बाजार हिस्सा जिसमें 2008-09 में गिरावट आई थी, जांच अवधि के दौरान 7% के स्तर पर पहुंच गया है।
- फ्लोर्सपार की कीमत में वृद्धि होने के कारण संबद्ध वस्तु की आयात कीमत बैंचमार्क से अधिक हो गई और संबद्ध देश से पाटित आयात का मूल्य जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से कम रहा था जिससे घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कटौती हुई। इसके कारण घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई।
- उच्च कीमत कटौती के कारण घरेलू उद्योग के पास अपनी कीमत घटाने के अलावा, कोई विकल्प नहीं था। कीमत कटौती के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में हास हो रहा है।

v. घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा में 2007-08 तक वृद्धि हुई और उसके बाद गिरावट आई । जिससे यह सिद्ध होता है कि शुल्क का वर्तमान स्वरूप कारगर नहीं है ।

vi. वर्ष 2008-09 के दौरान लाभ/हानि की स्थिति काफी खराब हुई है । जांच अवधि के दौरान लाभ में वृद्धि हुई है परंतु वह पूर्ववर्ती वर्षों में घरेलू उद्योग को मिले लाभ के स्तर पर नहीं पहुंच सका ।

vii. ब्याज एवं कर पूर्व लाभ, निवेश पर आय में भी लाभ जैसी प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है ।

viii. जांच अवधि के दौरान जब उत्पादन लागत और बिक्री कीमत, दोनों में वृद्धि हुई तो बिक्री कीमत में हुई वृद्धि उत्पादन लागत में वृद्धि से काफी कम रही है ।

ix. रोजगार के स्तर और मजदूरी में वृद्धि हुई है ।

x. घरेलू उद्योग के पास मालसूची के स्तर में 2008-09 में गिरावट आई तथा जांच अवधि के दौरान भारी वृद्धि हुई ।

xi. यदि मौजूदा उपायों में संशोधन नहीं किया जाता है तो पाठित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति में वृद्धि होगी ।

xii. विभिन्न देशों को चीन जन.गण. से हुए वर्तमान निर्यातों से भारत को निर्यातों की अत्यधिक संभावना का पता चलता है । इस प्रकार की संभावित मात्रा भारतीय मांग से अधिक है ।

xiii. भारतीय बाजार में प्रचलित कीमतों का स्तर काफी बेहतर होने के कारण इस बात की संभावना है कि निर्यातिक तीसरे देश की कीमतों की तुलना में बेहतर कीमत प्राप्त करेंगे और तब भी भारतीय उत्पादकों की कीमतों में कटौती करेंगे ।

xiv. घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न मापदंडों से सामूहिक तथा संचयी रूप से यह सिद्ध होता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

xv. यद्यपि, घरेलू उद्योग को 2008-09 में कीमत क्षति हुई थी, तथापि घरेलू उद्योग को जांच अवधि में मात्रात्मक क्षति हुई है ।

xvi. निर्णायक समीक्षा की जांच अवधि (अप्रैल, 2006-सितंबर, 2006) और वर्तमान जांच के आधार वर्ष (2006-07) तथा उसी अवधि में घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच 6 माह का अंतर होने के कारण वर्ष 2006-07 से वर्तमान जांच में कोई विश्लेषण उचित नहीं होगा ।

xvii. क्षति निर्धारण हेतु 4 वर्ष की क्षति अवधि का प्रयोजन 4 वर्षों की समूची अवधि के लिए घरेलू उद्योग के निष्पादन पर विचार करना है । आधार वर्ष तथा जांच अवधि के बीच घरेलू उद्योग के निष्पादन की तुलना करना उचित नहीं होगा । ऐसे किसी विश्लेषण का तात्पर्य यह होगा कि मध्यावधि के लिए सूचना को बेकार सिद्ध करना है और इस वजस से कोई तथ्यपरक विश्लेषण नहीं हो सकेगा ।

xviii. एच एफ एसिड की आयात कीमत फ्लोर्सपार्क की कीमतों द्वारा शासित होती है (परंतु उत्पादकों के पास अतिरिक्त क्षमताएं उपलब्ध हैं और वो निर्यातोन्मुख हैं) । जब निविष्टि लागत में वृद्धि हुई है तो चीन के उत्पादकों ने लागत वृद्धि के अनुपात में अपनी कीमतें नहीं बढ़ाई हैं । जब निविष्टि की कीमतें घटी हैं तो उत्पाद की कीमतों में लागत में आई गिरावट से ज्यादा कमी नहीं की गई है ।

निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

36. हितबद्ध पक्षकारों ने इस संबंध में निम्नानुसार अनुरोध किए हैं:

i. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा 1 के अनुसार क्षति विश्लेषण में इस बात पर विधिवत पर विचार किया जाएगा कि क्या टेनफैक इंड लि. को क्षति हुई है अथवा नहीं ।

- ii. क्षमता: उत्पादकों ने आबद्ध खपत सहित उत्पाद की सामान्य मांग से अधिक क्षमताएं सृजित की हैं ।
- iii. उत्पादन: उत्पादन में गिरावट आबद्ध खपत में आई अधिक गिरावट की वजह से आई है और इसे आरोपित पाटित आयातों का कारण नहीं माना जा सकता ।
- iv. क्षमता उपयोग: आबद्ध खपत में गिरावट के कारण क्षमता उपयोग में गिरावट आई है ।
- v. घरेलू बिक्री मात्रा: घरेलू उत्पादकों के बीच आपसी प्रतिस्पर्धा से याचिकाकर्ता की बिक्री में गिरावट आई होगी ।
- vi. आधार वर्ष की तुलना में संबद्ध देश के आयात की मात्रा में गिरावट आई है । इसे इस तथ्य के मद्देनजर देखा जा सकता है कि बिक्री कीमत क्षति रहित कीमत से अधिक है और संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत इस अवधि के दौरान संदर्भ कीमत से हमेशा अधिक रही है ।
- vii. कीमत प्रभाव नदारद है: घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत अनुमानित क्षति रहित कीमत से हमेशा अधिक रही है और वर्ष 2002-03 से बाजार हिस्से में भारी वृद्धि हुई है । ऐसी स्थिति में अत्यधिक कीमत कटौती के बावजूद घरेलू कीमतों पर कोई कीमत प्रभाव नहीं पड़ा है ।
- viii. वर्ष 2002-03 की तुलना में जांच अवधि के दौरा घरेलू उत्पादकों का लाभ सर्वोच्च स्तर पर रहा है । घरेलू उद्योग द्वारा कमाए गए इस प्रकार के भारी लाभ के कारण पाटनरोधी शुल्क को जारी नहीं रखा जाना चाहिए अन्यथा प्रयोक्ता उद्योग जीवित नहीं रहेगा ।
- ix. याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में गिरावट समर्थक द्वारा कब्जाए गए हिस्से के कारण आई है । घरेलू उत्पादकों का समग्र बाजार हिस्सा कम हुआ है ।
- x. आयात कीमत और घरेलू बिक्री कीमत में स्वतंत्र रूप से घट-बढ़ हुई है और इनका कोई सह संबंध नहीं है । घरेलू कीमतों पहुंच कीमत की तुलना में 50% से भी अधिक रही हैं । इस प्रकार आयात कीमत से घरेलू कीमतों प्रभावित होने का संकेत नहीं मिलता है तथा आयात कीमतों और घरेलू कीमतों के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है ।
- xi. घरेलू उद्योग ने संभावित क्षति के बारे में कोई दावा नहीं किया और उसने इसके बारे में कोई दावा नहीं किया । पहुंच मूल्य घरेलू कीमतों से लगभग 30-40% कम होने तथा घरेलू उत्पादकों की बिक्री मात्रा में भी वृद्धि होने के बावजूद पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने और उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना नहीं है । अतः इसी आधार पर जांच को समाप्त करना अपेक्षित है ।
- xii. उक्त वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से देश में बेचे जा रहे उत्पादों के विनिर्माताओं के लिए उत्पादों के विनिर्माण के लिए इसका प्रयोग करने वाले उक्त वस्तु के उपभोक्ताओं के प्रति गंभीर भेदभाव होगा ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

37. यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उत्पादकों के बीच आपसी प्रतिस्पर्धा से याचिकाकर्ता की बिक्री में गिरावट आई होगी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि, वर्तमान मध्यावधि समीक्षा जांच में आधेदन मै. नवीन फ्लोरिंग इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा दायर किया गया था, मै. टेनफैक इंडि. लि. ने बाद में प्राधिकारी के साथ सहयोग किया है और सूचना उपलब्ध कराई है। प्राधिकारी ने क्षति विश्लेषण हेतु दोनों कंपनियों द्वारा प्रदत्त सूचना पर विचार किया है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग की सूचना के अनुसार अन्य ज्ञात उत्पादक अर्थात् एस आर एफ लि. तथा गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. मुख्यतः आबद्ध खपत हेतु संबद्ध वस्तु का उत्पादन कर रहे हैं। अतः इनके बीच संभावित आपसी प्रतिस्पर्धा के कारण घरेलू उद्योग का क्षति विश्लेषण प्रभावित नहीं हुआ है।

38. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि घरेलू उद्योग को 2008-09 में कीमत क्षति हुई है, घरेलू उद्योग को जांच अवधि में मात्रात्मक क्षति हुई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कीमत तथा मात्रात्मक प्रभाव दोनों की जांच केवल जांच अवधि के संदर्भ में की जाती है।

39. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि निर्णयिक समीक्षा की जांच अवधि (अप्रैल, 2006-सितंबर, 2006) और आधार वर्ष (2006-07) में 6 माह की अतिव्याप्ति के कारण वर्ष 2006-07 से वर्तमान जांच में कोई विश्लेषण उचित नहीं होगा। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मध्यावधिक समीक्षा में पाटनरोधी शुल्क को निरंतर जारी रखने की समीक्षा की जाती है और वर्तमान मामले में पाटनरोधी शुल्क आधार वर्ष 2006-07 से लागू था। अतः वर्ष 2006-07 से वर्तमान जांच में क्षति विश्लेषण के अनौचित्य से संबंधित तर्क आधार हीन हैं।

40. यह तर्क दिया गया है कि आधार वर्ष और जांच अवधि के बीच घरेलू उद्योग के निष्पादन की तुलना करना उचित नहीं होगा। ऐसे किसी विश्लेषण का तात्पर्य मध्यावधि की सूचना को अनुपयोगी सिद्ध करना होगा और इससे कोई तथ्यपरक विश्लेषण नहीं होगा। इस बारे में प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क में 25 मार्च, 2008 की निर्णयिक समीक्षा संबंधी अंतिम जांच परिणाम द्वारा संशोधन किया गया था और राजस्व विभाग ने 28 अप्रैल, 2008 की अधिसूचना द्वारा उक्त शुल्क लागू किया था। अतः प्राधिकारी ने आधार वर्ष के अलावा, वर्ष 2008-09 के साथ जांच अवधि के दौरान हुए निष्पादन की तुलना करना उचित समझा है।

41. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि जब निविष्टि की लागत में वृद्धि हुई है तो चीन के उत्पादकों ने लागत में वृद्धि के अनुपात में अपनी कीमतें नहीं बढ़ाई हैं और जब निविष्टि की लागत में गिरावट आई है तो उत्पाद की कीमतें लागत से काफी अधिक कम हो गई हैं, प्राधिकारी ने इस मुद्दे की जांच करने के लिए चीन जन.गण. से हुए आयातों के कीमत प्रभाव की जांच की है।

42. प्राधिकारी ने क्षति के बारे में हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों और प्रति तर्कों को नोट किया है और इस मुद्दे पर इस जांच परिणाम में उचित स्थानों में विचार किया गया है।

प्राधिकारी द्वारा क्षति मापदंडों की जांच

43. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए " ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो । कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।

44. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभावों की जांच करने के लिए उपर्युक्त नियमावली के अनुसार उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों पर विचार किया गया है ।

45. वर्तमान जांच लागू पाटनरोधी शुलक की मध्यावधि समीक्षा जांच है । नियम 23 में यह उपबंध है कि नियम 11 के उपबंध आवश्यक परिवर्तनों के साथ किसी समीक्षा के मामले में भी लागू होंगे । अतः प्राधिकारी ने अनुबंध-II के साथ पठित नियम 11 के उपबंधों पर आवश्यक परिवर्तनों के साथ विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण किया है । इसके अलावा, चूंकि विचाराधीन उत्पादों के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, इसलिए प्राधिकारी इस बात पर विचार करते हैं कि चीन से हुए उत्पाद के आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क पर घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच करते समय विचार करना अपेक्षित है ।

46. वर्तमान क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने क्षति तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, की मौजूदगी की जांच करने के लिए घरेलू उद्योग पर संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के मात्रात्मक एवं कीमत प्रभाव तथा कीमत और लाभप्रदता पर उसके प्रभाव की जांच की है ।

47. प्राधिकारी ने इस बात की भी जांच की है कि क्या जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन के आधार पर उसे क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है ।

48. प्राधिकारी ने मै. नवीन फ्लोरिंग इंटरनेशनल लि. तथा मै. टेनफैक इंड लि. से संबंधित सूचना पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण किया है । यद्यपि मै. टेनफैक इंड लि. ने

अधूरे आंकड़े प्रस्तुत किए हैं तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ये आंकड़े घरेलू उद्योग को हुई क्षति के निर्धारण हेतु संगत हैं ।

पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

49. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों की मात्रा में समग्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है । पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-॥ (ii) में निम्नानुसार उपबंध हैं:

"पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी यह विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से या भारत में उत्पादन और खपत की वृद्धि से भारी वृद्धि हुई है ।"

मांग और बाजार हिस्से का निर्धारण

50. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मांग का निर्धारण समस्त ऋतों से भारत में हुए संबद्ध वस्तु के आयातों तथा अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री, घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री की राशि के रूप में किया है । प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस द्वारा प्रदत्त सूचना के आधार पर विचाराधीन उत्पाद की आयात मात्रा निर्धारित की है । इस प्रकार निर्धारित मांग निम्नलिखित तालिका में दर्शायी गई है । यह देखा जा सकेगा कि वर्ष 2008-09 में गिरावट के बाद जांच अवधि में देश में उत्पाद की मांग में वृद्धि हुई है ।

		2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (जन.-दिस.- 09)
संबद्ध देश-चीन	मी.ट.	1500	1179	415	1277
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	78.60	27.67	85.13
अन्य देश	मी.ट.	0	44	7	7
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	7352	9210	8238	9487
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	125.27	112.05	129.04
अन्य उत्पादकों की बिक्री	मी.ट.	580	508	937	834
कुल मांग-आवद्ध सहित	मी.ट.	9432	10941	9597	11605

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	116.00	101.75	123.04
मांग में बाजार हिस्सा					
संबद्ध देश-चीन	%	16	11	4	11
अन्य देश	%	0%	0%	0	0%
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	78	84	86	82
अन्य उत्पादकों की बिक्री	%	6%	5%	10%	7%
कुल मांग	%	100%	100%	100%	100%

51. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु की मांग में सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है और आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में पर्याप्त वृद्धि हुई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष जब मांग में 23% की वृद्धि हुई है, की तुलना में घरेलू उद्योग की बिक्री में 29% की बिक्री हुई है। दूसरी ओर इसी अवधि के दौरान संबद्ध देश से हुए आयातों में 15% की गिरावट आई है।

52. वर्ष 2008-09 की तुलना में जांच अवधि के दौरान मांग में 21% (2008 मी.ट.) की वृद्धि हुई है, घरेलू उद्योग की बिक्री में 15% (1249 मी.ट.) वृद्धि हुई है और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों में 208% (862 मी.ट.) की वृद्धि हुई है। 2008 मी.ट. की मांग में हुई कुल वृद्धि में से घरेलू उद्योग का हिस्सा 62% रहा है और संबद्ध देश से हुए आयातों का हिस्सा 43% रहा है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा वर्ष 2008-09 में 86% से घटकर जांच अवधि में 82% हो गया है।

ख) आयात की मात्रा और बाजार हिस्सा

53. जहां तक आयातों की मात्रा का संबंध है, इस बात की जांच की गई है कि क्या संबद्ध देश से हुए आयातों में समग्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है। निम्नलिखित तालिका में आयात मात्रा और बाजार हिस्से से संबंधित वास्तवित स्थिति संक्षेप में दर्शायी गई है :

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (जन.-दिसं.-09)
संबद्ध देशों से आयात- चीन जन.गण.	मी.ट.	1500	1179	415	1277
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	0	44	7	7
कुल आयातक	मी.ट.	1500	1223	422	1284
घरेलू उद्योग का उत्पादन	मी.ट.	28,057	30,311	25,036	25,309
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	7352	9210	8238	9487

अन्य उत्पादकों की बिक्री	मी.ट.	580	508	937	834
कुल मांग-आबद्ध रहित	मी.ट.	9432	10941	9597	11605
निम्नलिखित की तुलना में संबद्ध आयात					
कुल आयात	%	100	96	98	99
उत्पादन	%	5	4	2	5
खपत	%	16	11	4	11
मांग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा	%	78	84	86	82

उपर्युक्त से प्राधिकारी नोट करते हैं कि :

- (i) चीन जन.गण. से आयात की मात्रा जिसमें 2008-09 में गिरावट आई थी, जांच अवधि में अत्यधिक बढ़ गई है । तथापि, जांच अवधि के दौरान चीन जन.गण. से आयात की मात्रा आधार वर्ष के स्तर से कम रही है ।
- (ii) आधार वर्ष की तुलना में भारत में कुल आयातों, उत्पादन और खपत की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से आयातों में गिरावट आई है । तथापि, 2008-09 की तुलना में कुल आयातों, उत्पादन और खपत के संबंध में जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से हुए आयातों में वृद्धि हुई है ।
- (iii) आयातों का बाजार हिस्सा 16% से घटकर 11% होने के कारण घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा आधार वर्ष में 78% से बढ़कर 2008-09 में 86% हो गया और उसके बाद जांच अवधि में घटकर 82% हो गया ।

कीमत प्रभाव

54. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में नियमावली के अनुबंध-II (ii) में निम्नानुसार उपबंध है:

"नियम 18 के उपनियम (2) में यथा उल्लिखित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी यह विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत कटौती की जा रही है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में अत्यधिक मात्रा में कमी करना है या ऐसी कीमत को रोकना है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।"

55. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभावों का संबंध है, इस बात की जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।

निर्यातित उत्पाद के पहुंच मूल्य और घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत के बीच संबद्ध उत्पाद के लिए तुलना की गई थी। व्यापार के समान स्तर पर घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत का निर्धारण सभी रिवेटों और करों को छोड़कर किया गया है। इस तुलना से यह पता चला कि चीन से हुए आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती हो रही थी।

	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (जन-दिसं.- 09)
पहुंच मूल्य-पाटनरोधी शुल्क रहित	रु./मी.ट.	47730	55911	85257	61831
सूचीबद्ध		100.00	117.14	178.62	129.54
पहुंच मूल्य-पाटनरोधी शुल्क रहित	रु./मी.ट.	47730	55911	85257	61831
सूचीबद्ध		100.00	117.14	178.62	129.54
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./मी.ट.	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100.00	116.27	161.68	146.19
कीमत कटौती-पाटनरोधी शुल्क रहित	रु./मी.ट.	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100.00	113.23	102.00	204.79
कीमत कटौती-पाटनरोधी शुल्क सहित	रु./मी.ट.	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100.00	113.23	102.00	204.79
कीमत कटौती-पाटनरोधी शुल्क रहित	%	20-25	20-25	10-15	27-32
कीमत कटौती-पाटनरोधी शुल्क सहित	%	20-25	20-25	10-15	27-32

कीमत न्यूनीकरण तथा मूल्यहास

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (जन-दिस.-09)
बिक्री की लागत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
आधार वर्ष से परिवर्तन	सूचीबद्ध	100	112	177	150
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./मी.ट.	***	***	***	***
आधार वर्ष से परिवर्तन	सूचीबद्ध	100	116	162	146
आयातों का पहुंच मूल्य	रु./मी.ट.	47730	55911	85257	61831
आधार वर्ष से परिवर्तन		100.00	117.14	178.62	129.54

56. कीमत हास उस समय होता है जब उद्योग की कीमतें पूर्ववर्ती अवधि की कीमत से कम होती हैं। कीमत न्यूनीकरण तब होता है जब पाटन के कारण कीमतों में होने वाली वह वृद्धि नहीं होती है जो अन्यथा लागत में हुई वृद्धि के कारण हुई होती है। घरेलू उद्योग की लागत एवं कीमत संरचना तथा संबद्ध देश से आयातों के पहुंच मूल्य से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में लागत में लगभग 50% की वृद्धि हुई है जबकि घरेलू उद्योग की कीमत में 46% की वृद्धि हुई है और आयातों के पहुंच मूल्य में 30% की वृद्धि हुई है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि तुलनात्मक रूप में (अर्थात प्रतिशत रूप में) घरेलू उद्योग की कीमत में आयात कीमत के कारण हास पाया गया है, तथापि समग्र रूप में यह प्रदर्शित नहीं होता है। वर्ष 2008-09 की तुलना में कीमत हास/न्यूनीकरण समग्र और तुलनात्मक दोनों रूपों में अनुपस्थित है जबकि बिक्री कीमत में केवल 10% की गिरावट आई है।

57. आगे यह नोट किया जाता है कि आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से कम है। अतः पाटित आयातों के कारण बाजार में कम कीमत पर बिक्री हो रही है।

विवरण	इकाई	समस्त नियांतक
आयातों की पहुंच कीमत	रु. प्रति किग्रा.	61831
घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत	रु. प्रति किग्रा.	***
कम कीमत पर बिक्री राशि	रु. प्रति किग्रा.	***
कम कीमत पर बिक्री %	%	10-20%

घरेलू उद्योग से संबंधित अन्य आर्थिक मापदंड

58. नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में संबद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। इसके अलावा, नियमावली के अनुबंध-II (IV) में निम्नानुसार उपबंध है :

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा ।"

उत्पादन, क्षमता तथा क्षमता उपयोग, बिक्री

59. घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री, क्षमता और क्षमता उपयोग में घट-बढ़ निम्नानुसार रही है:

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (जन. - दिसं.-09)
संरक्षित क्षमता	मी.ट.	37,670	37,670	37,670	37,670
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
उत्पादन	मी.ट.	28,057	30,311	25,036	25,309
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	89	90
क्षमता उपयोग	%	74%	80%	66%	67%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	89	90
आबद्ध स्थानांतरण	मी.ट.	20196	20709	16021	15224
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	79	75
घरेलू बिक्री	मी.ट.	7,352	9,210	8,238	9,487
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	125	112	129
मांग रहित आबद्ध खपत	मी.ट.	9432	10941	9597	11605
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	116.00	101.75	123.04
मांग के % के रूप में बिक्री	मी.ट.	78%	84%	86%	82%

60. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में गिरावट आई है, तथापि संबद्ध वस्तु की घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री में मांग/भारत में उत्पाद की खपत में समग्र रूप में और उसकी तुलना में समग्र रूप में वृद्धि हुई है । तथापि, वर्ष 2008-09 की तुलना में उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई है ।

61. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि आबद्ध खपत में गिरावट के साथ-साथ घरेलू उद्योग के उत्पादन में गिरावट आई है । अतः एक हितबद्ध पक्षकार के इस तर्क में कुछ सार प्रतीत होता है कि उत्पादन में गिरावट आबद्ध खपत में गिरावट के कारण आई है ।

लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह

62. घरेलू उद्योग के लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह की जांच निम्नानुसार की गई है:

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (जन. - दिसं.-09)
कर पूर्व लाभ	रु / लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	184	67	153
ब्याज तथा कर पूर्व लाभ	रु / लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	170	86	164
नियोजित पूँजी पर आय (एन एफ ए आधार)	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	160	66	114
नकद लाभ	रु / लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	166	84	152

63. उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष और वर्ष 2008-09 की तुलना में जांच अवधि के दौरान लाभप्रदता में अत्यधिक सुधार हुआ है।

रोजगार और मजदूरी

64. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद, बहु स्थानीय कंपनी है; अतः घरेलू उद्योग के रोजगार के स्तर पर पाटन का प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ सकता है। घरेलू उद्योग के रोजगार तथा मजदूरी के स्तर का ब्यौरा निम्नानुसार है:

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (जन. - दिसं.-09)
रोजगार	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	111	118
मजदूरी	रु. / लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	131	124	158

65. उपर्युक्त से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के रोजगार के स्तर में सुधार हुआ है। इसके अलावा, आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मजदूरी के स्तर में भी वृद्धि हुई है।

उत्पादकता

66. घरेलू उद्योग को उत्पादकता निम्नलिखित तालिका में दी गई है:

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (जन. - दिसं.-09)
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	81	77
प्रति दिवस उत्पादकता	मी.ट.	77	83	69	69
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	89	90

प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादकता में उत्पादन के अनुसार सुधार हुआ है।

मालसूची

67. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के मालसूची के स्तर की जांच की है जिसे निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है:-

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (जन. - दिसं.-09)
औसत स्टॉक	मी.ट.	305	262	329	506
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	86	108	166
बिक्री दिवसों की संख्या के अनुसार औसत स्टॉक	दिवसों की संख्या	15	10	14	19
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	67	93	127

उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष और 2008-09 की तुलना में जांच अवधि में घरेलू उद्योग की मालसूची के स्तर में वृद्धि हुई है।

पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

68. जांच अवधि के दौरान क्षमता में कोई वृद्धि नहीं हुई है। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित पर्याप्त लाभ को देखते हुए पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ सकता है।

पाटन मार्जिन की मात्रा

69. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. के संबंध में पाटन मार्जिन सकारात्मक है !

वृद्धि

70. प्राधिकारी नोट करते हैं कि बिक्री, बाजार हिस्से, लाभ, नकद लाभ और लगाई गई पूँजी पर आय जैसे मापदंडों के संबंध में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की वृद्धि सकारात्मक रही है । तथापि, जांच अवधि के दौरान उत्पादन, क्षमता उपयोग और आबद्ध खपत में गिरावट देखी गई है । वर्ष 2008-09 की तुलना में बाजार हिस्से को छोड़कर समस्त आर्थिक मापदंडों में पर्याप्त वृद्धि प्रदर्शित हुई है ।

क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति जारी रहने की संभावना

71. घरेलू उद्योग को हुई क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना की जांच हेतु घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी के समक्ष निम्नलिखित कारक प्रस्तुत किए हैं । घरेलू उद्योग ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार अनुरोध किया है :

- कि संबद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा भारतीय बाजार में सामग्री का पाटन किया जा रहा है । यद्यपि, कच्ची सामग्री की कीमत में वृद्धि हुई है । तथापि, निर्यातकों की निर्यात कीमत में आनुपातिक वृद्धि नहीं हुई है जिससे निर्यातकों द्वारा लागत अवशोषण का पता चलता है ।
- कि शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति पुनः हो सकती है ।
- कि संबद्ध देश से आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की कीमत से काफी कम है ।
- कि उत्पादकों के पास अत्यधिक बेशी क्षमताएं हैं और उनकी घरेलू मांग उनके द्वारा सृजित क्षमताओं से काफी कम हैं । निम्नलिखित तालिका में चाइना कैमिकल रिपोर्टर (सी सी आर) से घरेलू उद्योग द्वारा प्राप्त चीन में संबद्ध वस्तु की बेशी क्षमताएं दर्शायी गई हैं :

	2008
क्षमताएं	12,00,000
चीन में उत्पादन	6,00,000
सरप्लस उपयोग क्षमताएं	6,00,000

- घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि चाइना कैमिकल रिपोर्टर में दी गई सूचना के अनुसार क्षमताओं के स्तर को देखते हुए चीन के उत्पादक स्वाभाविक रूप से बाजार अवसरों की तलाश करेंगे । यदि शुल्क की राशि में वृद्धि नहीं की गई तो संबद्ध वस्तु के आयात की मात्रा में आगे और वृद्धि होने की संभावना है । उन्होंने चाइना कैमिकल रिपोर्टर के मई, 2010 के अंक से साक्ष्य उपलब्ध कराया है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

72. प्राधिकारी ने क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना की जांच निम्नलिखित पैराग्राफों में की है ।

- प्राधिकारी नोट करते हैं कि बैंचमार्क के वर्तमान स्तर पर आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत तथा क्षति रहित कीमत से कम है। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान आयात की मात्रा में वर्ष 2008-09 अर्थात् बैंच मार्क का वर्तमान स्तर लागू किए जाने की अवधि की तुलना में भारी वृद्धि हुई है।
- प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटित कीमतों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद विचाराधीन उत्पाद का सतत आयात हो रहा है जिससे पाटनरोधी शुल्क जोड़ने के बाद घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो रही है और क्षति मार्जिन भी सकारात्मक है।
- प्रधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि, संबद्ध देश से हुए आयातों की मात्रा काफी अधिक बनी हुई है, तथापि, आधार वर्ष की तुलना में भारत में कुल आयातों, उत्पादन तथा खपत के संबंध में जांच अवधि के दौरान गिरावट आई है। घरेलू उद्योग और अधिक घरेलू बिक्री करने तथा आधार वर्ष की तुलना में अपने बाजार हिस्से को बढ़ाने में समर्थ हुआ है।
- तथापि, वर्ष 2008 की तुलना में आयात मात्रा में अत्यधिक वृद्धि हुई है जिससे घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा वर्ष 2008-09 में 86% से घटकर जांच अवधि में 82% हो गया है।
- घरेलू उद्योग की कीमतों पर आयातों का प्रतिकूल प्रभाव स्पष्ट नहीं है क्योंकि घरेलू उद्योग लगाई गई पूंजी पर ***% की आय (एन एफ ए आधार पर) वसूल करने में सक्षम रहा है जो वर्ष 2008-09 में ***% और आधार वर्ष में ***% की तुलना में अधिक है। घरेलू उद्योग अपनी उचित बिक्री कीमत अर्थात् क्षति रहित कीमत से अधिक की प्राप्ति करने में समर्थ रहा है।
- घरेलू उद्योग ने चाइना कैमिकल रिपोर्टर (सी सी आर) से प्राप्त चीन जन गण में बेशी क्षमताओं का साक्ष्य उपलब्ध कराया तथा आयातक मै. मद्रास फ्लूरिन ने उसी अवधि 2008 के लिए चाइना हाइड्रोफ्लूरिक मार्किट रिपोर्ट 2008-09 से साक्ष्य उपलब्ध कराया। दोनों रिपोर्टों में एच एफ एसिड के लिए चीन जन गण में क्षमताओं की विरोधाभाशी स्थिति का पता चलता है। इससे चीन के सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध सूचना की अविश्वसनीयता प्रकट होती है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन गण में संबद्ध वस्तु की उत्पादन क्षमता का पता लगाने के लिए ऐसी सूचना पर भरोसा नहीं किया जा सकता।
- संबद्ध वस्तु के चीन के उत्पादकों के वर्तमान कीमत व्यवहार से सकारात्मक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री का पता चला है। तथापि, इससे घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति होने का पता नहीं चलता है जैसा कि उपर्युक्त परीक्षित आर्थिक मापदंडों से संकेत मिलता है।
- वर्ल्ड ट्रेड एटलस में उपलब्ध सूचना से यह पता चलता है कि चीन द्वारा अन्य देशों को किए गए निर्यात काफी अधिक हैं और उनकी कीमतें भारत को किए गए निर्यात की कीमत से मामूली कम हैं। जहां तक वर्ल्ड ट्रेड एटलस के अनुसार तीसरे देशों की तुलना में भारतीय बाजार में चीन जन गण द्वारा उच्च निर्यात कीमतों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ल्ड

देढ़ एटलस की कीमतें समस्त सांदरण स्तर के एच एसिड के लिए औसत कीमतें हैं और इसीलिए ये किसी विशेष कीमत प्रवृत्ति की प्रतिनिधि नहीं हैं ।

क्षति की मात्रा और पाटन मार्जिन

73. क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु संबद्ध वस्तु की क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देश से हुए निर्यातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है । प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों में दी गई सूचना के अनुसार संबद्ध वस्तु के पहुंच मूल्य की गणना की है ।

क्षति मार्जिन की ज्ञाना

जांच अवधि (जन. 09- दिसंबर, 09)	चीन जन.गण. से हाइड्रोफ्लूरिक एसिड
	कीमत रूपए प्रति किग्रा.
पहुंच कीमत (रु. प्रति /किग्रा.)	61831
क्षति रहित कीमत (रु. प्रति /किग्रा.)	***
क्षति मार्जिन (रु. प्रति /किग्रा.)	***
पहुंच के % के अनुसार क्षति मार्जिन	10-20%

कारणात्मक संबंध

74. पाटनरोधी नियमावली के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए अन्य बातों के साथ-साथ पाटित आयातों से इतर ऐसे किसी अन्य ज्ञात कारक की जांच करना अपेक्षित है जिससे उसी समय घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है ताकि इन अन्य कारकों से हुई क्षति का कारण पाटित आयातों को न माना जा सके । इस संबंध में, जो कारक संगत हो सकते हैं, उनमें अन्य के साथ-साथ पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा और मूल्य, मांग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन, विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी विकास तथा घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन और उत्पादकता शामिल हैं । इस बात की जांच की गई थी कि क्या नियमों में सूचीबद्ध इन अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है । यह पाया गया था कि

- (क) तीसरे देशों से आयात: - प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन से इतर देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों की मात्रा नगण्य है । अतः तीसरे देशों से हुए आयातों की मात्रा को ऐसा कारक नहीं माना जा सकता जिससे घरेलू उद्योग प्रभावित हुआ हो ।
- (ख) मांग में कमी: - क्षति अवधि के दौरान मांग में कोई कमी नहीं हुई है । इसके विपरीत क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की समग्र मांग अत्यधिक सकारात्मक रही है ।
- (ग) खपत की पद्धति: - यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी की जानकारी में खपत की पद्धति में किसी खास परिवर्तन को नहीं लाया गया है और न ही किसी हितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में कोई अनुरोध किया है ।

(घ) **व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और प्रतिस्पर्धा की स्थितियां:** - यह नोट किया जाता है कि अब तक की गई जांच से यह पता नहीं चला है कि घरेलू उद्योग को दावा की गई क्षति के लिए प्रतिस्पर्धा की स्थितियां अथवा व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार जिम्मेवार हैं ।

(ङ) **प्रौद्योगिकी विकास:** - यह नोट किया जाता है कि अब तक की गई जांच से यह पता नहीं चला है कि प्रौद्योगिकी में ऐसा कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है ।

(च) **घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन:** - वर्तमान क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू और निर्यात बाजार में कीमत तथा लाभप्रदता को अलग-अलग रखा है । अतः क्षति संबंधी विश्लेषण निर्यात निष्पादन के संभावित समावेशन के कारण गैर-प्रतिनिधिक नहीं है और घरेलू उद्योग को क्षति निर्यातों में संभावित विकृति के कारण नहीं हुई है ।

छ. निष्कर्ष

75. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, प्रदान की गई सूचना और किए गए अनुरोधों तथा उपर्युक्त जांच परिणाम में दर्ज प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए और उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते हैं :

क. कि पाटित कीमतों जिससे घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है, पर पाटन रोधी शुल्क लगाए जाने के बाद संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद का आयात जारी है और क्षति मार्जिन भी सकारात्मक है, तथापि, घरेलू उद्योग की मात्रा, बिकी और लाभप्रदता पर इसका प्रतिकूल प्रभाव अनुपस्थित है ।

ख. चीन के संबद्ध वस्तु के चीन के निर्यातकों के वर्तमान कीमत व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो रही है और जांच अवधि में घरेलू उद्योग ने घरेलू रूप से अधिक वृद्धि की है और आधार वर्ष की तुलना में बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है । वर्ष 2008-09 की तुलना में जांच अवधि में बाजार हिस्से में मामूली गिरावट आई है परंतु उसी अवधि में घरेलू उद्योग ने अपनी लाभप्रदता में पर्याप्त वृद्धि की है । घरेलू उद्योग के लाभ, लगाई गई पूँजी पर आय और नकद लाभ में अत्यधिक वृद्धि हुई है और उसने जांच अवधि में उचित बिकी कीमत से अधिक की वसूली की है । इसके अलावा, कीमत ह्रास/न्यूनीकरण नहीं हुआ है ।

ग. इसके अलावा, चूंकि लागू पाटनरोधी शुल्क व्यावहारिक रूप से कालातीत हो गया है क्योंकि यह संदर्भ कीमत पर आधारित था और घरेलू उद्योग के स्वयं के दावे के अनुसार और प्राधिकारी के इस अभिमत के भी अनुसार कि संबद्ध वस्तु की आयात कीमत लागू की गई संदर्भ कीमत से भी अधिक दर्ज की गई है । अतः पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के कीमत व्यवहार में कोई परिवर्तन होने की संभावना नहीं होगी । अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि यदि संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त किया जाता है तो घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना नहीं है ।

ज. सिफारिशें

76. उपर्युक्तानुसार निष्कर्ष निकालने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि चीन जन.गण. के मूल के और वहां से निर्यातित हाइड्रोफ्लूरिक एसिड पर पाटनरोधी शुल्क को सतत रूप से जारी रखने की कोई आवश्यकता नहीं है और उसे समाप्त किया जाना अपेक्षित है ।

77. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार, सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी ।

विजयलक्ष्मी जोशी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th May, 2011

Final Findings

Subject : Mid-term anti-dumping review investigation concerning imports of Hydrofluoric Acid originating in or exported from China PR.

F. No. 15/12/2010-DGAD.— Whereas having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules), the Designated Authority (hereinafter referred to as Authority) initiated a midterm review antidumping investigation on 25th May, 2010 into alleged dumping of Hydrofluoric Acid (HF Acid) originating in or exported from China PR. The original investigations were initiated on 11th December, 2001 against dumped imports of Hydrofluoric Acid originating in and exported from China PR. The provisional antidumping duty was imposed on imports of Hydrofluoric Acid from China PR vide customs notification no. 35/2002-CUS dated 28th March, 2002 on the basis of the preliminary findings of the Authority dated 15th February, 2002. The final findings were notified vide notification dated 26th November, 2002 and the Department of Revenue imposed definitive anti dumping duties on the Hydrofluoric Acid from China PR vide notification no. 10/2003-CUS dated 15th January, 2003. The Designated Authority initiated sunset review investigations after the expiry of five years on 17th March 2007. The sunset review final findings were notified vide notification dated 25th March 2008 and the Department of Revenue extended definitive anti dumping duties on the subject goods from the subject country vide notification no. 54/2008-CUS dated 28th April, 2008.

2. And whereas the Rule 23 of Anti-dumping Rules require the Authority to review, from time to time, the need for continued imposition of Anti-Dumping Duty and if it is satisfied, on

the basis of positive information received by it that there is no justification for continued imposition of such duty, the authority may recommend to the Central Government for its withdrawal. Notwithstanding, the above provision, the Authority is required to review, on the basis of positive information submitted by any interested party substantiating the need for a review, provided that a reasonable period of time has elapsed since the imposition of the definitive anti-dumping duty, whether continued imposition of the duty is necessary to offset dumping, whether the injury would be likely to continue or recur if the duty were removed or varied, or both. In terms of the above provision, Designated Authority received an application filed by M/s Navin Fluorine International Limited, substantiating the need for midterm review of the anti dumping duty imposed on the subject goods originating in or exported from China PR and have requested for enhancement / revision of the anti dumping duty imposed on subject goods. Having decided to review the final findings notified vide Notification No. 4/13/2006-DGAD dated 25th March 2008, the Authority initiated the investigations in terms of the Rule 23.

A. Procedure

3. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
 - i) The Authority received a duly substantiated application from M/s Navin Fluorine International Limited for review, modification of the form of duty and enhancement in the quantum of anti dumping duty in force, *inter alia*, based on the grounds that the existing duty is not sufficient to address the injury to the domestic industry. The petitioner submitted *prima facie* evidence in this regard, requesting for review and enhancement of the anti dumping duty in force.
 - ii) Having satisfied itself that the petitioner has produced sufficient positive information substantiating the need for a review, the Authority initiated the mid-term review investigation of anti-dumping duty imposed on imports of subject goods originating in or exported from China vide Notification No. 15/12/2010-DGAD -DGAD dated 25th May 2010 under Rule 23 of the AD Rules. The scope of the present review covers all aspects of the previous notification.
 - iii) The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers in their country to respond to the questionnaire within the prescribed time.
 - iv) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and the Embassy of subject country in accordance with Rules 6(3) *supra*. A copy of the non-confidential application was also provided to other interested parties, wherever requested.
 - v) The Authority forwarded a copy of the public notice of initiation of investigation to all known producers of the subject goods in India besides the petitioner, as shown below:

Sr. No.	Name of the Company
1.	M/s Tanfac Industires Ltd.
2.	M/s SRF Ltd.
3.	M/s Gujarat Flourochemicals Ltd..

M/s Tanfac Industries Ltd. provided costing and injury information after the public hearing.

vi) The Authority forwarded a copy of the public notice to the known exporters (whose names and addresses were made available to the Authority) and gave them opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rules 6(2) & 6(4). The notice was forwarded to following exporters:

Name of Company
1. M/s Quzhua Fluorine Chemical Company Ltd. Zhejiang
2. M/s Yingpeng Chemical Company Ltd.
3. M/s Yingguang Chemical Company Ltd.
4. M/s Sanmei Chemical Industry Co. Ltd.
5. M/s Yongfei Chemicals Co. Ltd.
6. M/s 3-F Jinan Chemical Co. Ltd.
7. M/s Dongyue Chemical Co. Ltd.
8. M/s Melian Chemical Co. Ltd.
9. M/s A to-3F Changsu Chemical Co. Ltd.
10. M/s Xiangxiang Aluminium Plant
11. M/s Shyeyang, Jiangsu
12. M/s Fudu Chemical Co. Ltd.
13. M/s Xinhua Chemical Plant
14. M/s Shanghai tianyuan Fluorine Chemical Co. Ltd.

- vii) None of the producers/ exporters from China PR have filed any response to questionnaire in the form and manner prescribed.
- viii) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the following known importers (whose names and addresses were made available to the authority) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(4).

Name of Company
1. M/s Competent Dyestuff & Allied Products Pvt. Ltd.
2. M/s Oswal Enterprises
3. M/s MFPL Fluorine Products Ltd.

- ix) Response to importer's questionnaire were received from M/s Madras Flourine Pvt. Ltd., Chennai. Another importer, M/s Flourides & Chemicals have only given their submissions in this regard.
- x) Exporters, producers and other interested parties who have not responded to the Authority, nor supplied information relevant to this investigation have been treated as non-cooperating interested parties.
- xi) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigations, which was received by the Authority.
- xii) The complete and authentic details about domestic producers/production of the subject items were called from the Deptt. of Chemicals & Petrochemicals, the Administrative Ministry for the subject goods. However, no information has been made available by the concerned administrative department.
- xiii) Information was sought from the applicant and other domestic producer to determine non-injurious price based on the cost of production of the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry. On the spot verification of the data provided by the applicant was carried out to the extent considered necessary.
- xiv) Investigation was carried out for the period starting from 1st Jan., 2009 to 31st Dec., 2009 (POI). However, injury examination was conducted for a period from 2006-07, 2007-08, 2008-09 and the POI.

xv) The Authority held a public hearing on 22th February, 2011 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance to Rule 6(6), which was attended by M/s Navin Fluorine International Limited and two importers namely M/s Fluorides & Chemicals and M/s Madras Fluorine Pvt. Ltd. (through their consultants) The interested parties present at the time of hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally and were also given an opportunity to file rejoinder to the views expressed by other interested parties. The written submissions and rejoinders received from interested parties have been considered, to the extent considered relevant;

xvi) Arguments raised and information/evidence provided by the interested parties during the course of the investigation, to that extent the same are supported with evidence and considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority. The Authority during the course of investigation satisfied itself as to the adequacy and accuracy of the information supplied. Additional/ supplementary details regarding injury were sought from the domestic industry, which were also received.

xvii) In accordance with the Rule 16 of the AD Rules, the essential facts under consideration before the Authority in the instant investigation have been disclosed to the known interested parties. The comments received on the disclosure statement, to the extent considered relevant, have been duly considered in these findings.

xviii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by the interested parties through a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).

xix) *** represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules on merits.

xx) Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigations, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded these findings on the basis of the facts available.

xxi) Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has granted confidentiality, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

xxii) The Authority asked the petitioner to furnish information relating to Tanfac Industries Ltd who has supported the application, which was submitted by the petitioner. A letter was issued to the petitioner to rectify the deficiencies in the data of M/s Tanfac Industries Ltd. which have not been fully rectified. However, the Authority has considered the information provided by M/s Tanfac to the extent relevant for determination of non-injurious price and the injury analysis for the purpose of the present investigation.

4. Comments made by interested parties in response to the Disclosure statement

Domestic Industry

- The constructed normal value, dumping margin and export price, which are based either on the information of the domestic industry or on public information, should be revealed to the domestic industry. Rule 7 of AD Rules does not contemplate any right in the DA to claim confidentiality.
- There is significant difference in the dumping margin determined by the authority in the disclosure statement and the dumping margin determined by the domestic industry.
- The disclosure statement does not refer to the issue regarding “form of duty”. The anti dumping duty be imposed only as fixed quantum of anti dumping duty (fixed form of duty), expressed as duty per kg in USD. Benchmark form of duty for the product under consideration is not appropriate for the reason that price of key raw material Fluorspar varies significantly.
- Tanfac has replied to all the deficiencies received. Notwithstanding, if Tanfac data was deficient, the same should have been rejected by the Authority instead of using partially.
- Determination of weighted average dumping margin for different concentration of the product through cumulated export price is not correct. Since the imports are made in different concentrations, the imports cannot be cumulated by expressing the purity to 100%. This is for the reason that the packing cost of the product, amongst other things, remains the same regardless of its concentration.
- It is not appropriate to compare the performance of the domestic industry between the base year and the POI. Instead of end-point to end-point analysis, the examination of the economic situation of the domestic industry should take into account events within the injury period. The Authority may consider performance of the domestic industry throughout the injury period by undertaking year on year analysis
- Dumping would cause injury to the domestic industry in the event of revocation of anti-dumping duty. CESTAT in various cases clearly held that the anti-dumping duties are

required to be continued in case the price undercutting, dumping margin and injury margin are positive.

- The Authority may consider the fact of past dumping of the product and the effect of such dumping on the performance of the domestic industry.
- The imports in relation to consumption in India declined significantly between 2006-07 and 2008-2009 during the investigation phase of sunset review. However, the market share of imports increased steeply once again in period of investigation. The imports increased in absolute volumes and the same was significant.
- The market share below 10% is considered significant even in numerous investigations conducted by the Authority. Since the current investigation is a midterm review investigation where anti-dumping duties are imposed, It must be concluded that the existing level of duties are insufficient to prevent imports at dumping prices.
- The Authority has clearly found that the imports are significantly undercutting the prices of the product. The Authority has found that the imports are suppressing the prices of the domestic industry in the market. Petitioner submits that the rules clearly provide for existence of either price undercutting or price suppression/depression. Existence of both price effects is not mandatory.
- The domestic industry refers to the judgement of the Hon'ble supreme court in the matter of Rishiroop Polymers Pvt. Ltd Vs. Designated Authority [2006 (196) ELT 129 (S.C)]. It would be seen that the Designated Authority argued and the Tribunal and Supreme Court agreed that the Designated Authority has done comparison of period of investigation with preceding year and the same was justified under the law. Following this decision and considering that the base year is part period of investigation of sunset review and 2007-08 and 2008-09 are part of the investigation phase, the Designated Authority should undertake injury analysis in the present case.
- The market share of domestic industry declined between 2008-09 and period of investigation. Further, this decline is after excluding captive consumption and therefore is unaffected by movement in captive consumption. In fact, demand excluding captive consumption has gone up, whereas the market share of the domestic industry has declined.
- **Profit, return and cash profit:** With regard to performance of the domestic industry on account of profits, return on capital employed and cash profit, petitioner submits that the current performance is not representative of the impact of the dumped imports for the reasons that (i) it includes stock gains earned by the domestic industry and (ii) it pertains to a period of high volatility in raw material prices.
- Since price of Fluorspar have moved too significantly, the profitability of the domestic industry during the period is reflective of the price at which Fluorspar has been

purchased. In other words, these are profits earned out of purchases of Fluorspar purchased by Tanfac at much older prices and do not reflect the current prices of Fluorspar in the investigation period of the case.

- The domestic industry would suffer significant financial losses and would eventually close down, if the domestic industry were to sell the product at a price matching the landed price of the imports.
- Inventories with the domestic industry have increased despite existing anti-dumping duties.
- **Non injurious price vs. net sales realization:** The fact that domestic industry is able to realize a price higher than non injurious price is totally immaterial. The non injurious price is a notional price calculated for the limited purpose of determining injury margin. The non injurious price is totally irrelevant in deciding price effect. For price effect, the price undercutting, suppression, depression and injury margin are the relevant parameters.
- a market share of 11% cannot be considered insignificant. In Mid Term Review or Sunset Review the volume of imports is not a determining factor for the purpose of likelihood.
- The Authority has clearly found that the information available at World Trade Atlas clearly shows that China's exports to third countries are significant and are at prices marginally lower than price to India. Given higher price in Indian market, it is evident that these third countries export would be diverted to Indian market.
- Fluorspar a major raw material controlled by China and movement in prices of Fluorspar and QHF Acid clearly establishes likelihood of dumping and injury. The import price of HF Acid has not moved in tandem with that of costs on account of fluorspar. This clearly shows the fact that the import price of HF Acid is not governed by the fluorspar prices (but the excess capacities available and the export orientation of the producers). When the input costs have increased, the Chinese producers have not increased their prices in the proportion to cost increases. When the input prices have fallen, the product prices have declined far beyond the cost declines. It is thus evident that Chinese producers are capable of pricing their product without any relationship to Fluorspar.

M/s Madras Fluorine Pvt. Ltd. & M/s Fluorides and Chemicals

- The DI has filed its further submissions just before 5 days of issuance of disclosure statement. It is apparent that DI does not want to give opportunity to the interested parties otherwise they could have filed the further submissions in the written submissions filed by them after public hearing.

- The evaluation of all the economic indices clearly establishes that the Domestic industry has not suffered injury on account of any of the economic parameter as a result of so called alleged dumping of subject goods from China PR. Despite alleged inadequacy of measure the NSR of the DI continued to be higher than its NIP.
- Further in the absence of current injury the issue of continuation of injury never arises and moreover during POI the volume of imports from China PR remains below the level of base year.
- The domestic Industry is not suffering from any injury nor is there any likelihood of recurrence of injury as measures were remains ineffective since its imposition and moreover NSR is continued to higher than NIP. Therefore, no question of likely injury arises. The domestic industry has posted significant growths on almost all of the injury parameters which includes production, domestic sales, capacity utilization, domestic profits, ROCE, NSR.
- The claim of likely injury by the domestic industry due to surplus production capacity of foreign producers is not valid because the evidence provided by DI in support of its claim is for 2008 not for POI. As per the China Hydrofluoric Market Report 2008-08, the demand in China is 9 lac tonnes and the capacity utilisation is 87.33%. The capacity utilisation of 87.33% in chemical sector is supposed to be very good utilisation. Therefore, the claim of surplus capacity does not arise at all.
- Further, it has been held by the Hon'ble CESTAT in the matter of Indian Spinner Association v. Designated Authority that mere surplus capacity with a exporter cannot lead to a conclusion that there is "imminent danger of material injury" such that the duty must be continued.
- Demand in Indian market is not at all attractive for Chinese producers as they could have easily captured significant share as no price effect can be seen on domestic industry from 2006-07 onwards. Hence any attempt to project likelihood of injury on basis of such conjectures by the DI should be rejected as the actual data completely negates the contention of domestic industry.
- The increase in imports from China PR during POI is below the level of base year and further it has not shown any adverse effect on selling price of domestic industry or its performance.
- Market share of DI has increased by 4% during POI as compared to base year 2006-07 and same has declined by 4% during the POI as compared to 2008-09, the fact that the selling prices of the domestic industry was much higher than non-injurious price clearly establishes that such decline is not material. The domestic industry had an option of selling at a lower price (level of NIP) and maintains its market share.

- It is submitted that the cost and price structure of the domestic industry in absolute terms shows that the increase in the prices of domestic industry during POI is more than the cost over the base year. Therefore, there is no price suppression/depression taking in to consideration 2006-07 as a base year. In this respect it is submitted that there has been no price suppression impact on the domestic industry due to alleged dumped imports during POI as compared to base year or preceding year.
- The production and capacity utilization of the domestic industry have declined during the POI but this decline is in line with the decline in the captive consumption.
- Profit/loss had shown deterioration during 2008-09 because of factors other than dumping as M/s Tanfac has earned huge profits at Rs.12108 per MT whereas M/s. Navin was in losses in the same period. Further, M/s. Navin was in losses due to other factors which are procurement of raw material at higher rate and unusual high consumption norm of raw material etc.
- Domestic industry has claimed in their submission vide letter dated 11.05.2011 return on investment as 27% in 2006-07, 39% in 2007-08, 12% in 2008-09 and 29% in POI that means ROI was more than 22% throughout the injury period. NSR is much higher than reasonable price in injury period. Further, during 2008-09 ROI as claimed by DI was 12% this lower ROI was due to increase in consumption norms of M/s Navin, otherwise ROI would have been much more than 22%.
- The raw material (Fluorspar) price of M/s Navin is more than not only from M/s. Tanfac but also from international price. Therefore, we request to Designated Authority to kindly take international prices of Fluorspar raw material during POI for analysis.
- The DI has made significant returns on capital employed throughout the injury period. It is hereby submitted that the DI is not suffering from any injury. Domestic Industry has return on investment more than 22% over the injury period this means selling price of domestic industry was above reasonable fair price despite of positive undercutting and ineffective measures.
- The continued imposition of anti-dumping duties is reviewed and in the present case, the anti-dumping duties were in place since the base year 2006-07. Hence the contention regarding inappropriateness of injury analysis in the present investigation from the year 2006-07 is without any merit.
- It is submitted that the landed price of subject goods from China PR was higher since 2006-07 than the reference price.
- The landed price of subject goods from China PR since 2006-07 was higher than the reference price levied by the Revenue Department vide Notification dated 28th April 2008, as can be seen from the table below. Therefore we would request the Authority to

compare the figures of POI with base year and not with immediate preceding year for the purpose of objective analysis.

- Hydrofluoric acid is sold in diluted concentrations ranging from 20% to 70% as abbreviated in the original investigation as 20% to 70% or as 100% pure anhydrous i.e. AHF (100% concentration). Therefore, for comparison of export price of China PR it should be taken at AHF only.
- There is not even any analysis which could support their claims as to how injury to the Domestic Industry would recur in case the duties are discontinued when despite alleged inadequacy of measure the NSR of the DI continued to be higher than its NIP. Therefore, this claim is based on mere conjecture not on merit so it should be rejected

Examination by the Authority

- a. The methodology of construction of normal value in respect of the non-cooperating exporters from China PR and percentage range of dumping margin has been disclosed. The export price considered by the Authority has also been disclosed.
- b. As regards the non-reference to the issue regarding the form of duty in the disclosure statement, the Authority notes that under Rule 16 of the Rules, the Authority is required to disclose the essential facts under consideration which form the basis for its decision. The form of duty forms part of recommendation by the Authority and not an essential fact.
- c. The Authority has used the data provided by M/s Tanfac that has been found relevant for assessment of injury to the domestic industry. Rule 6(8) empowers the Authority to record its findings on the basis of fact available in case any interested party provides deficient data.
- d. As regards the claim that the imports cannot be cumulated by expressing the purity to 100% as the imports are made in different concentrations, the Authority notes that the domestic industry has never claimed separate dumping margins for different concentrations of HF Acid. On the other hand, the Domestic Industry has themselves claimed in their application the imports of HF Acid by expressing the purity to 100% level.
- e. The Domestic Industry has claimed that Authority may consider performance of the domestic industry throughout the injury period by undertaking year to year analysis. In this regard, the Authority while issuing the disclosure statement has done comparison of the performance during the POI with the year 2008-09 also in addition to the base year since the anti-dumping duties on the subject goods from China PR were modified by Sunset Review Final Findings dated 25th March 2008 and the duties were levied by the Revenue Department vide Notification dated 28th April 2008.

f. The Authority notes that although there are continued imports of the product under consideration after imposition of anti dumping duties, which are undercutting the prices of the domestic industry after addition of anti dumping duties and injury margin is also positive, the adverse impact of the same on the volume and prices of domestic industry is absent.

g. As regards the price suppression, the Authority notes that although the import prices are found to be suppressing the prices of the domestic industry in relative terms (i.e., percentage terms), the same is however absent in absolute terms. In absolute terms, the increase in selling prices of the domestic industry is more than the cost of sales as compared to the base year as well as to the year 2008-09.

h. The Authority notes that the performance of the Domestic Industry is factor of two variables, i.e., cost of sales and selling prices. As regards the cost of sales, the Authority notes that the cost of fluorspar consumed by M/s Navin Flourine is higher than the international prices of fluorspar. While filing the application, M/s Navin Flourine has not claimed any downward adjustment on account of higher prices of fluorspar. Now after M/s Tanfac submitted the data, whose cost of fluorspar is claimed to be lower than the international prices, the DI is arguing that M/s Tanfac have purchased fluorspar at much older prices and do not reflect the current prices of Fluorspar in the investigation period of the case. The Authority notes that the contradictory stands for different constituents of the domestic industry and that too at post – disclosure stage cannot be accepted. As regards the selling prices, the Authority notes that the same are significantly higher than the import prices and non-injurious price.

i. It has been contended by the domestic industry that realization price higher than non injurious price is totally immaterial and the non injurious price is a notional price calculated for the limited purpose of determining injury margin. The Authority notes that the NIP is based on the factual data of the domestic industry and reflects the fair selling price of the subject goods. The sales realisation vis-a-vis NIP is one of the economic parameter that reflects the state of the industry. As per para (iv) of Annexure – II of the Rules, the Authority is required to evaluate all relevant factors and indices having a bearing on the state of the industry.

j. As regards the higher export prices by China PR in Indian market as against the third countries as per world trade atlas, the Authority notes that world trade atlas prices are average prices for all the concentration level HF Acid and therefore not representative of any particular price trend.

k. With regard to the contention that when the input costs have increased, the Chinese producers have not increased their prices in proportion to cost increase and when the input prices have fallen, the product prices have declined far beyond the cost decline, the Authority has examined the price effect of the imports from China PR to examine this issue.

i. The Authority normally does not accept the belated submissions. However, in the present case, while the application in the present mid-term review investigation was filed by M/s. Navin Fluorine International Ltd., M/s Tansfac Industries limited has subsequently cooperated with the Authority and has provided the information at post oral hearing stage. The Authority has considered the information provided by both the companies for injury analysis. The Authority therefore considered the submissions made by the DI on the combined data of M/s. Navin Fluorine International Ltd., M/s Tansfac Industries limited, which were made by DI on 11th May 2011 and kept a copy of the same was made available in public file.

m. The domestic industry provided an evidence of surplus capacities in China PR sourced from China Chemical Reporter (CCR) and importer, M/s Madras Fluorine provide evidence from China Hydrofluoric Market Report 2008-09 for the same period 2008. Both reports shows contradictory picture of capacities in China PR for HF Acid. It shows unreliability of information available in China PR public domain. The Authority notes that such information cannot be relied upon for accessing the production capacity of subject goods in China PR.

n. Apart from the above, the Authority has considered all the issues that have been raised by the interested parties that were found relevant to this case, in the appropriate sections of these findings.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE:

VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

5. Following issues raised by the domestic industry with regard to product under consideration and like article:

- i. The present review investigation is a midterm review investigation. The product involved in the original investigation, the sunset review investigation and in the present midterm review investigation is Hydrofluoric Acid. The product under consideration in the present midterm review is the same as has been held by the Designated Authority in the previous investigations.
- ii. Hydrofluoric (or HF) Acid could be in the form of liquid or gas and anhydrous or aqueous/diluted. It is used as a catalyst for gasoline alkylation, in manufacture of inorganic fluorides, fluorinated hydrocarbon compounds, refrigerants, as a pickling agent for descaling stainless strips and high silicon sheets, glass etching, etc.
- iii. Hydrofluoric acid produced by the domestic industry and imported from China PR are like product.
- iv. Hydrofluoric Acid is an inorganic chemical classified under Chapter 28 of the Customs Tariff Act under Customs Sub-heading 281111 of the Customs Tariff Act, 1975

- v. There is no difference in Hydrofluoric acid produced by the domestic industry and imported from subject country. Hydrofluoric acid produced by the domestic industry and imported from subject country are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology (followed by most of the producers world over), functions and uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers have used the two interchangeably. Hydrofluoric acid produced by the petitioners and imported from subject country is like article.
- vi. Present investigation is a midterm review investigation. The Designated Authority has examined the issue of product under consideration and like article in the previous two investigations, which is relied upon.

VIEWS OF THE IMPORTERS, CONSUMERS, EXPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

6. None of the importers, consumers, exporters and other interested parties has filed any comment or submissions with regard to product under consideration, and like articles.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

7. The present investigation is review investigation. Anti dumping duties are in force on imports of Hydrofluoric acid on the basis of recommendations earlier made by the Authority. Product under consideration is Hydrofluoric acid, The product under consideration in the present investigation, as defined in the original investigation, is Hydrofluoric acid of all forms, purities and concentrations originating in or exported from China PR. Hydrofluoric (or HF) Acid could be in the form of liquid or gas and anhydrous or aqueous/diluted. It is used as a catalyst for gasoline alkylation, in manufacture of inorganic fluorides, fluorinated hydrocarbon compounds, refrigerants, as a pickling agent for descaling stainless strips and high silicon sheets, glass etching, etc. The raw materials used are acid grade fluorspar, sulphuric acid and oleum, which are fed into a pre-reactor at predetermined rates, mixed and converted into a homogeneous mixture and pushed into the HF acid reactor. The resulting HF gas is drawn into a pre-scrubbing tower for washing and then condensed using chilled calcium chloride solution. The liquid is then purified by distillation and the anhydrite by-product is withdrawn separately. HF acid is sold in diluted concentrations ranging from 20% to 70%.

8. Hydrofluoric Acid is an inorganic chemical classified under Chapter 28 of the Customs Tariff Act under Customs Sub-heading 281111 of the Customs Tariff Act, 1975 and the International Trade Classification. The classification, however, is only indicative and in no way binding on the scope of the present investigation, which being a mid-term review investigation, has its scope limited to the product already identified in the previous investigation.

9. Rule 2(d) of the Anti-dumping Rule specifies that like articles mean an article, which is identical and alike in all respects to the product under investigation or in the absence of such an

article, another article having characteristics closely resembling those of the articles under examination. The petitioner claimed that the goods produced by them are like articles to the goods originating in or exported from the subject country. The Authority notes that Hydrofluoric acid produced by domestic industry has characteristics, which are similar to those of Hydrofluoric acid imported from the subject country. The subject goods produced by domestic industry are used interchangeably with those imported from the subject country, In view of the above the Authority notes that Hydrofluoric acid produced by the domestic industry and that being imported from the subject country are like articles within the meaning of the Rules.

C. DOMESTIC INDUSTRY

VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

10. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to standing of the domestic industry.

- a) The petition was filed by M/s. Navin Fluorine International Ltd. Subject goods are also being produced by Tanfac Industries Ltd, SRF Ltd and Gujarat Fluorochemicals Ltd. M/s Tanfac Industries Ltd has supported the petition. M/s SRF Ltd and Gujarat Fluorochemicals Ltd are producing the product concerned primarily for captive purpose.
- b) The production of petitioner constitutes a major proportion in Indian Production and therefore petitioner should be treated as "domestic industry" within the meaning of the Rules.

VIEWS OF THE EXPORTER, IMPORTERS, CONSUMERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

11. M/s Tanfac Industries limited which has 50.33% share in the Indian production has not submitted its data. Being a major share in Indian production, its data should be taken for objective injury analysis so as to have fair picture of Indian industry.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

12. The present investigations is review investigation: Anti dumping duties are in force on imports of HF Acid on the basis of recommendations earlier made by the Authority. It is noted that Tanfac Industries limited provided all relevant information in the last sunset review investigation. M/s Tanfac Industries limited alongwith the supporter M/s. Navin Fluorine International Ltd. constituted the domestic industry at the time of previous sunset review investigation.

13. While the application in the present mid-term review investigation was filed by M/s. Navin Fluorine International Ltd., M/s Tanfac Industries limited has subsequently cooperated with the Authority and has provided the information. Since both M/s. Navin Fluorine

International Ltd. and M/s Tenfac Industries limited have cooperated with the Authority in the present investigations and their production accounts for about 99% of the production of subject goods in India, the Authority has considered them as domestic industry for the purpose of the present investigation.

14. Authority therefore notes that the applicants fulfil the requisite criteria to satisfy standing and constitutes domestic industry, as required under Rule 2(b) of AD Rules.

OTHER ISSUES

VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

15. The domestic industry raised following issues:

- i. None of the exporters have responded to the questionnaire issued by the Authority. Exporters should therefore be considered non-cooperative as per Rule 6(8) and the Authority should proceed according to the best information available.
- ii. The response filed by the Importers are not only significantly beyond time limits but also more than seven months delayed from the last date prescribed for submissions of responses, which cannot be considered as reasonable. Hence the response filed by the importers should be rejected on the ground stated above.
- iii. The non confidential version of the response filed by the importers is not provided to the domestic industry as required under the Anti-Dumping Agreement and Rule 7 of the Rules.
- iv. The two importers turned up at the time of oral hearing, for the first time during the course of the present proceedings. Out of two, one of them even claimed that it had filed a questionnaire response but the non-confidential version of the same is not available in the public file.
- v. The Designated Authority can enhance the anti dumping duty and the same has remained unchallenged before CESTAT. Any argument on this account must be rejected.

VIEWS OF INTERESTED PARTIES

16. The other interested parties raised the following issues:

- The non-confidential version of the petition of the DI is wholly deficient, which has hampered the right to file the submissions.
- Since NSR is more than the NIP of the DI, change of form of the duty from reference to fixed form is not likely to affect the domestic industry materially.
- Enhancement of the duties already imposed or change in the form of duty cannot be done through review proceedings.

EXAMINATION OF THE AUTHORITY

17. The Authority provided opportunity to the interested parties to present the information relevant to the investigation during the oral hearing in accordance with Rule 6(6) of anti-dumping rules. The oral information which has been subsequently reproduced in writing has been considered by the Authority to the extent relevant. The rejection or acceptance of the response is not a pre-requisite for taking the views of interested parties on board.

18. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by the interested parties through a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).

19. The Authority notes that the instant MTR investigation was, *inter alia*, initiated in accordance Rule 23 of the AD Rules. Rule 23 of the AD Rules enables the Authority not only to examine the need for continuation of the anti-dumping duty but also to determine the quantum thereof that needs to be recommended based on information/data available on record. Thus, the contention that there is no legal authority to change, alter or modify the level of duties already imposed is devoid of any merit and hence is rejected.

20. The Authority in MTR investigations examines the need for continuation of anti-dumping duty on the basis of various economic parameters as laid down under the Rules.

E. Normal value, Export Price and Dumping Margin**Market economy claims**

21. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption by treating China PR as a non-market economy country. Upon initiation, the Authority advised the producers/exporters in China to respond to the notice of initiation and provided information relevant to determination of their market economy status. The Authority sent copies of the MET questionnaire to all the known exporters for rebutting presumption of non market economy in accordance with criteria laid down in para 8(3) of Annexure-I to the Rules. The Authority also requested Government of China to advise producers/exporters in their country to provide information.

22. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and establish to the contrary. The cooperating exporter/producer of the subject goods from China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a) The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment

are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;

- b) The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c) Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d) The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

Views Of The Domestic Industry

23. Domestic industry has made following submissions with regard to Normal Value.

- (i) China is a non market economy country and the Designated Authority has also treated China as a non market economy country in anti-dumping investigations. Similarly USA and European Commission have also treated China as a non-market economy country in anti-dumping investigations.
- (ii) None of the producers/ exporters of the subject goods have filed any response to the Authority, and therefore, normal value cannot be determined in the absence of the domestic sales price or the cost of production of the manufacturers. The domestic industry has argued that China is a non market economy country, therefore, normal value may be constructed as per para 7 of Annexure I of AD Rules.
- (iii) Normal value cannot be determined on the basis of the price in a market economy third country, constructed value in a market economy third country as such information is not available with the petitioners. Petitioner submits that normal value could not be determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country for the reason that the relevant information is not available to the petitioner
- (iv) India is an appropriate surrogate country for Chinese producers. Not only consideration of India as a surrogate country would result in access to accurate and adequate information, there is no factual basis to consider that India would not be a proper surrogate country.
- (v) Substantial volumes of exports from China have been reported in 2008 and the POI as is evident from the information collected from IBIS. If such is the quantum of imports in the presence of existing measures, likelihood of increased dumped imports entering in to the country cannot be ruled out in case the anti dumping duty is revoked.

View Of Exporters/Importers And Other Interested Parties

24. Following is the submissions made by interested parties:

- i. Domestic industry should confirm that imports volumes, demand, export price, cost of production, selling price CNV and injury analysis is based on common indices ie at AHF basis (100% concentration).
- ii. In view of non-consideration of CIF export price at AHF basis (100% concentration), the same considered for calculation of dumping margin is misleading.
- iii. The cost of the petitioner is higher due to lower capacity utilization that resulted in higher conversion cost. The Authority therefore constructed Normal Value by considering conversion cost of DI at reasonable utilization rate.

Examination By The Authority**Normal Value for China PR**

25. No producer/exporter from China has co-operated in this investigation and provided any information for rebutting the non-market treatment as per para 8(2) of Annexure 1 of the AD Rules. Therefore, the presumption of non-market economy as per para 8(2) of Annexure 1 of the AD Rules remains un-rebutted. The Authority, therefore, has determined the Normal value in accordance with para 7 Annexure I of the AD Rules. In absence of sufficient information on record regarding the other methods as are enshrined in para 7 of Annexure I of the AD Rules, the Authority has determined the Normal value by adopting the method “or any other reasonable basis”.

26. The Authority has therefore constructed normal value taking into account international price of the major inputs, consumption norms, conversion cost, and SGA expenses of the efficient domestic industry and after addition of a reasonable profit margin of 5%. The Normal value so determined works out as US\$ *** per MT.

Export Price

27. The Authority notes that none of the exporters / producers from subject country for the subject good has co-operated with the Authority in this investigation. As regards the contention of the interested party that CIF export price has not been considered at AHF (100%) basis, the same is devoid of any merit as the Authority has considered the ‘Export price’ on the basis of ‘facts available’ on record considering HF Acid at 100% concentration. The export volumes at 100% concentration have been worked out by multiplying the export volume by its concentration level.

28. In view of non-cooperation by the exporters / producers, the Authority considered whether import statistics provided by IBIS and DGCI&S could be used to determine the export

price of the subject goods during the POI. It is seen that the domestic industry has claimed volume, value and import price on the basis of information provided by IBIS. The Authority also called for the data from DGCI&S. The data from the two sources was corroborated and volume and value of imports as reported were compared. Its analysis revealed that the volume of imports as reported by the DGCI&S during the POI were higher than the volume of imports reported by the IBIS. In view of the same, the Authority has adopted the import data as reported by DGCI&S in order to determine volume, value and import price of imports for the purpose of present determination as the volume and price per unit is higher in the DGCI&S data.

29. Thus, the Authority has determined weighted average import price for the products under consideration on the basis of information provided by DGCI&S. It is seen that the import prices as reported in the DGCI&S are on CIF basis.

30. For determination of 'Export price' from China PR, all reported transactions have been taken into account and the export price has been calculated on weighted average basis. To calculate the net export price, expenses on internal freight, ocean freight and insurance, port charges and bank commission have been deducted. By this method, the net export price has been calculated as under:

Particulars	Unit	China PR
Import volume	MT	1276.67
Import value	Rs. in lacs	725.51
CIF import price	Rs./MT	56828.34
Exchange rate	USD/INR	48.90
CIF export price in US\$	USD/MT	1162.13
Price adjustments (total)	USD/MT	118.31
Ex-factory export price	USD/MT	1043.82

Dumping Margin

31. On the basis of the Normal values and net Export prices so determined at ex-factory level; the dumping margin during the POI for all exporters/producers from China PR has been determined as follows:

Dumping Margin Calculation:

	Per MT
Normal value(US\$)	***
Export price(US\$)	1,043.82

Dumping margin(US\$)	***
Dumping Margin %	8-18%

Continuation or recurrence of dumping:

32. **Submissions made by the domestic industry:**

The domestic industry has, *inter alia*, contended as follows:

- a) Substantial volumes of exports from China PR have been reported at dumped prices in the POI as is evident from the import information. The price undercutting is significant even after considering anti-dumping duty in force causing severe injury to the domestic industry.
- b) The existing measures are insufficient to provide adequate relief to the domestic industry. In case the existing measures are not revised, likelihood of continuation of increased dumped imports entering in to the country cannot be ruled out.
- c) There are surplus capacities available with Chinese producers. If the present situation continues the dumping is likely to intensify.

Examination by the Authority

33. The Authority notes that none of the exporters / producers from China PR has responded to the initiation notification and provided information in the form and manner prescribed. However, the Authority notes that the information made available by DGCI&S shows imports of 1277 MT from China PR. The Authority notes that the present dumping margin in respect of exports of HFA from China PR is significant.

34. As regards the claim of domestic industry that the surplus capacities are available with the Chinese producers as per the extracts from China Chemical Reporter May, 21st 2010 issue (A copy of the same is enclosed with this Disclosure statement), the Authority notes that the present investigation is mid-term review investigation and under Rule 23 the Authority shall review the need for the continued imposition of any anti-dumping duty, where warranted, on its own initiative or upon request by any interested party who submits positive information substantiating the need for such review, and a reasonable period of time has elapsed since the imposition of the definitive anti-dumping duty and upon such review, the designated authority shall recommend to the Central Government for its withdrawal, where it comes to a conclusion that the injury to the domestic industry is not likely to continue or recur, if the said anti-dumping duty is removed or varied and is therefore no longer warranted.

F. INJURY AND CAUSAL LINK

VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

35. The domestic industry has submitted as under:-

- i. Existing measures is no longer sufficient to counteract the dumping which is causing injury to the domestic industry.
- ii. The market share of imports which was declined in 2008-09, increased to level of 7% during POI.
- iii. With the increase in Flouspar price, import price of subject goods increased above benchmark and the imports at dumped value of imports from the subject country was lower than the net sales realization of the domestic industry during POI thereby undercutting the selling price of domestic industry. This resulted in decline in market share of domestic industry.
- iv. Due to high price undercutting, the domestic industry was has no option but to reduce its prices. Price undercutting is resulting in depressing the prices of domestic industry.
- v. Production, capacity utilization and sales volume of the domestic industry increased upto 2007-08 and declined subsequently thereby establishing that present form of duty is ineffective.
- vi. Profit/loss had shown deterioration during 2008-09 significantly. The profit increased during POI but could not regain the levels enjoyed by domestic industry in previous years.
- vii. Profit before interest & taxes, cash profits, return on investments have all shown a trend similar to that of profits.
- viii. When both cost of production and selling price increased during POI, but the increase in selling price is much less than the increase in cost of production.
- ix. Employment levels and wages level have increased.
- x. Inventory level with the domestic industry declined during 2008-09 and increased significantly during POI.
- xi. In the event the existing measures are not revised, dumped imports would aggravate the injury caused to the domestic industry.
- xii. Current exports from Cihna PR to various countries show significant potential for exports to India. Such likely volumes are higher than Indian demand.
- xiii. Given that the prices prevailing in the Indian market are much better, the exporters are likely to get a better price as compared to their third countries prices and still undercut the Indian producers' prices.
- xiv. The various parameters relating to domestic industry collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury.
- xv. Whereas the domestic industry suffered price injury in 2008-09, the domestic industry suffered volume injury in POI.
- xvi. Owing to overlapping of 6 months in the POI (April 2006-Sep, 2006) of sunset review and base year (2006-07) of the present investigation with the injury suffered by domestic industry in the same period, any analysis in the present investigation from the year 2006-07 will not be appropriate.

xvii. The purpose of four years injury period for injury assessment is to consider the performance of the domestic industry for the entire period of four years. It would not be appropriate to compare the performance of the domestic industry between the base year and the POI. Any such analysis would also imply rendering information for the intervening period redundant and would not be an objective analysis.

xviii. the import price of HF Acid is not governed by the fluorspar prices (but the excess capacities available and the export orientation of the producers). When the input costs have increased, the Chinese producers have not increased their prices in the proportion to cost increases. When the input prices have fallen, the product prices have declined far beyond the cost declines.

VIEWS OF THE EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

36. Following are the submissions made by the interested parties in this regard:

- i. Injury analysis in accordance with para I of the Annexure II of ADD Rules shall duly consider whether Tanfac Industries Ltd. has suffered injury or not.
- ii. Capacity: producers have created excessive capacities than normal demand of the product including captive consumption.
- iii. Production: decline in production is due to higher decline in captive consumption and thus not attributable to all the alleged dumped imports.
- iv. Capacity Utilization: decline in captive consumption lead to decline in capacity utilization.
- v. Domestic Sales Volume: Inter se competition between the domestic producers would have caused decline in the sales of the petitioner.
- vi. Imports volume of subject country has declined as compared to the base year. This can be seen in the light of the fact that selling price is more than non-injurious price and the landed price of the subject goods always remains higher than the reference price over the period.
- vii. Price Effect is absent: The selling price of the domestic industry is always above the estimated NIP with significant increase in market share from 2002-03 onwards. In this situation, there is no price effect on domestic prices despite of significant price undercutting.
- viii. The profits of the domestic producers have been at the highest levels during POI as compared from 2002-03. With this kind of huge profits earned by the domestic industry, anti-dumping duties should not be continued otherwise user industry will not be able to survive.
- ix. Market share of the petitioner has declined due to share captured by the supporter. The market share of the domestic producers as a whole has increased.
- x. The import prices and domestic selling prices are moving independently and have no correlation. Domestic prices remained reasonably higher than landed prices by more than 50%. Thus imports price are not dictating domestic prices and there is no causal link between import prices and domestic prices.
- xi. Domestic industry did not make any claim regarding likely injury and had not made any claim regarding the same. Inspite of landed value almost below 30-40% below domestic

prices and sales volume of domestic producers has also increased, the discontinuation of the anti-dumping duty may not be likely to lead to continuation or recurrence of injury to the domestic industry. Thus, the investigations are required to be terminated on this ground alone.

xii. Levy of anti-dumping duty on the said article would cause serious prejudice to consumers of the said article who uses the same for manufacture of products which are sold in the country.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

37. It has been contended that inter se competition between the domestic producers would have caused decline in the sales of the petitioner. The Authority notes that while the application in the present mid-term review investigation was filed by M/s. Navin Fluorine International Ltd., M/s Tanfac Industries limited has subsequently cooperated with the Authority and has provided the information. The Authority has considered the information provided by both the companies for injury analysis. Moreover, the other known producers namely SRF Ltd and Gujarat Fluorochemicals Ltd, as reported by the domestic industry, are primarily producing the subject goods for captive consumption. Hence, any possible inter se competition between them has not affected the injury analysis of the domestic industry.

38. As regards the contention that the domestic industry suffered price injury in 2008-09, the domestic industry suffered volume injury in POI, the Authority notes that the examination of both volume effect and price effect is carried out with reference to the period of investigation only.

39. As regards the contention that any analysis in the present investigation from the year 2006-07 will not be appropriate owing to overlapping of 6 months in the POI (April 2006-Sep, 2006) of sunset review and base year (2006-07), the Authority notes that in mid-term review the continued imposition of anti-dumping duties are reviewed and in the present case, the anti-dumping duties were in place since the base year 2006-07. Hence the contention regarding inappropriateness of injury analysis in the present investigation from the year 2006-07 is without any merit.

40. It has been contended that it would not be appropriate to compare the performance of the domestic industry between the base year and the POI. Any such analysis would also imply rendering information for the intervening period redundant and would not be an objective analysis. In this regard, the Authority notes that the anti-dumping duties on the subject goods from China PR were modified by Sunset Review Final Findings dated 25th March 2008 and the duties were levied by the Revenue Department vide Notification dated 28th April 2008. Hence, the Authority has considered it appropriate to compare the performance during the POI with the year 2008-09 also in addition to the base year.

41. With regard to the contention that when the input costs have increased, the Chinese producers have not increased their prices in the proportion to cost increases and when the input prices have fallen, the product prices have declined far beyond the cost declines, the Authority has examined the price effect of the imports from China PR to examine this issue.

42. The Authority has taken note of the arguments and counter-arguments of the interested parties on injury and the issues have been addressed in appropriate places in the findings.

Examination by the Authority of injury parameters

43. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to suppress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

44. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.

45. The present investigation is mid term review investigation of anti dumping duties in force. Rule 23 provides that provisions of Rule 11 shall apply, mutatis mutandis basis in case of a review as well. The Authority has therefore determined injury to the domestic industry considering, mutatis mutandis, the provisions of Rule 11 read with Annexure II. Further, since anti dumping duties are in force on imports of the product under consideration, the Authority considers that the fact of existing anti dumping duties on the product on imports from China is required to be considered while examining injury to the domestic industry.

46. For the purpose of current injury analysis the Authority has examined the volume and prices effects of imports of the subject goods from subject countries on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal link between dumping and injury, if any.

47. The Authority has also examined whether there is likelihood of continuation or recurrence of injury to the domestic industry on the basis of its performance during the period of investigation (POI).

48. The Authority has determined injury to the domestic industry by considering information relating M/s. Navin Fluorine International Ltd. and M/s Tanfac Industries limited. Though M/s

Tanfac Industries Limited furnished deficient data, the Authority notes that the same is relevant for assessment of injury to the domestic industry.

Volume Effect of Dumped Imports

49. With regard to volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India. Annexure II (ii) of the anti dumping rules provides as under:

"While examining the volume of dumped imports, the said authority shall consider whether there has been significant increase in the dumped imports either in absolute terms or relative in production or consumption in India"

Assessment of demand and market share

50. Designated Authority has determined demand as the sum of domestic sales of the domestic industry, sales of other Indian producers and imports of the subject goods in India from all sources. The Authority has determined import volumes for the products under consideration on the basis of information provided by DGCI&S. The demand so assessed is shown in the following table. It would be seen that demand of the product in the country has increased in the POI after a decline in 2008-09.

		2006-07	2007-08	2008-09	POI (Jan-Dec-09)
Subject Country-China	MT	1500	1179	415	1277
Trend	Index	100.00	78.60	27.67	85.13
Other Countries	MT	0	44	7	7
Sales of Domestic Industry	MT	7352	9210	8238	9487
Trend	Index	100.00	125.27	112.05	129.04
Sales of other producers	MT	580	508	937	834
Total Demand-excluding captive	MT	9432	10941	9597	11605
Trend	Index	100.00	116.00	101.75	123.04
Market Share in Demand					
Subject Country-China	%	16	11	4	11
Other Countries	%	0%	0%	0	0%

Sales of Domestic Industry	%	78	84	86	82
Sales of other producers	%	6%	5%	10%	7%
Total Demand	%	100%	100%	100%	100%

51. The Authority notes that the demand for the subject goods has shown a positive trend and increased significantly in the period of investigation as compared to the base year. The Authority notes that as compared to base year where the demand has increased by 23%, the sales of domestic industry have increased by 29%. On the other hand, Imports from the subject country have declined by 15% during that period.

52. When compared to the year 2008-09, during POI the demand has increased by 21% (2008 MT), the sales of domestic industry have increased by 15% (1249 MT) and imports of subject goods from subject country have increased by 208% (862 MT). Out of total increase of demand of 2008 MT, 62% share has gone to domestic industry and 43% has gone to the imports from subject countries resulting in decline in market share of domestic industry from 86% in 2008-09 to 82% in POI.

b) Import volumes and market share

53. With regard to the volume of the imports, it has been examined whether there has been a significant increase in imports from subject country, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The table below summarizes the factual position with regard to import volumes and market share –

Particular	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (Jan-Dec-09)
Imports from Subject country – China PR	MT	1500	1179	415	1277
Imports from Other countries	MT	0	44	7	7
Total Imports	MT	1500	1223	422	1284
Production of domestic industry	MT	28,057	30,311	25,036	25,309
Sale of domestic industry	MT	7352	9210	8238	9487
Sales of other producers	MT	580	508	937	834
Total Demand-excluding captive	MT	9432	10941	9597	11605
Subject Imports in relation to					
Total Imports	%	100	96	98	99
Production	%	5	4	2	5
Consumption	%	16	11	4	11
Market share of Domestic Industry in demand	%	78	84	86	82

From the above, the Authority notes that:

- (i) The volume of imports from China PR which declined in 2008-09, increased substantially in the period of investigation. However, during the POI, the volume of imports from China PR remains below the level of base year.
- (ii) Imports from subject country have declined during POI in relation to the total imports, production and consumption in India as compared to the base year. However, as compared to 2008-09, the imports from Subject country increased during POI in relation to the total imports, production and consumption.
- (iii) As a result of the decline in market share of imports from 16% to 11%, the market share of the domestic industry has increased from 78% in base year to 86% in 2008-09 and then declined to 82% in the POI.

Price Effect

54. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows“

"With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree."

55. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. A comparison for product concerned was made between the landed value of exported product and the average selling price of the domestic industry. Selling price of the domestic industry has been determined net of all rebates and taxes, at the same level of trade. This comparison showed that imports from China were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market.

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (Jan-Dec-09)
Landed Value-without anti dumping duty	Rs./MT	47730	55911	85257	61831
<i>Indexed</i>		100.00	117.14	178.62	129.54
Landed Value-with anti dumping duty	Rs./MT	47730	55911	85257	61831

<i>Indexed</i>		100.00	117.14	178.62	129.54
Net Sales Realization	Rs./MT	***	***	***	***
<i>Indexed</i>		100.00	116.27	161.68	146.19
Price Undercutting-without anti dumping duty	Rs./MT	***	***	***	***
<i>Indexed</i>		100.00	113.23	102.00	204.79
Price Undercutting-with anti dumping duty	Rs./MT	***	***	***	***
<i>Indexed</i>		100.00	113.23	102.00	204.79
Price Undercutting-without anti dumping duty	%	20-25	20-25	10-15	27-32
Price Undercutting-with anti dumping duty	%	20-25	20-25	10-15	27-32

Price suppression and depression

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (Jan-Dec-09)
Cost of sales	Rs./MT	***	***	***	***
Change from base year	Indexed	100	112	177	150
Net sales realization	Rs./MT	***	***	***	***
Change from base year	Indexed	100	116	162	146
Landed Value of Imports	Rs./MT	47730	55911	85257	61831
Change from base year		100.00	117.14	178.62	129.54

56. Price depression exists when the industry's prices are lower than the level of the previous period. Price suppression occurs when dumping prevents price increases that would otherwise take place due to increase in costs. The cost and price structure of the domestic industry and the landed value of imports from the subject country show that the cost has increased by about 50%

over the base year whereas the prices of domestic industry have increased by 46% and landed value of imports have increased by 30%. However, the Authority notes that although the import prices are found to be suppressing the prices of the domestic industry in relative terms (i.e., percentage terms), the same is however absent in absolute terms. As compared to the year 2008-09, price depression is missing both in absolute as well as relative terms as the cost of sales has declined by 15% in POI whereas the selling prices have declined by only 10%.

57. It is further noted that the landed price of imports are below the non injurious price of the domestic industry. The dumped imports are therefore resulting in price underselling in the market.

Particulars	Unit	All exporters
Landed price of imports	Rs. per Kg	61831
Non injurious price of the domestic industry	Rs. per Kg	***
Price underselling amount	Rs. per Kg	***
Price underselling %	%	10-20%

Other Economic Parameters Relating to the Domestic Industry

58. Annexure II to the Rules requires that the determination of injury shall involve an object examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of the subject goods. Further Annexure II (iv) of the Rules lays down as follows“

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."

Production, Capacity and Capacity Utilization, Sales

59. Production, sales, capacity & capacity utilization of the domestic industry moved as shown below.

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (Jan-Dec-09)
Installed capacity	Mt	37,670	37,670	37,670	37,670
Trend	Indexed	100	100	100	100
Production	Mt	28,057	30,311	25,036	25,309
Trend	Indexed	100	108	89	90

Capacity utilization	%	74%	80%	66%	67%
Trend	Indexed	100	108	89	90
Captive Transfer	MT	20196	20709	16021	15224
Trend	Indexed	100	103	79	75
Domestic sales	Mt	7,352	9,210	8,238	9,487
Trend	Indexed	100	125	112	129
Demand excluding captive consumption	Mt	9432	10941	9597	11605
Trend	Indexed	100.00	116.00	101.75	123.04
Sales as % of demand	Mt	78%	84%	86%	82%

60. The Authority notes that though the production and capacity utilization of the domestic industry have declined during the POI, the domestic sales of the domestic industry of the subject goods have gone up in absolute terms and also in relation to demand/consumption of the product in India. However, as compared to the year 2008-09, production, capacity utilization and domestic sales have gone up.

61. The Authority further notes that the production of the domestic industry has declined in line with the decline in the captive consumption. Hence there appears to be some substance in the contention of one of the interested party that the decline in production is due to decline in captive consumption.

Profits, return on investment and cash flow

62. Profits, return on investment and cash flow of the domestic industry has been examined as under:

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (Jan-Dec-09)
Profit before tax	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	184	67	153
Profit before interest and tax	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	170	86	164
Return on capital employed (NFA basis)	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	160	66	114

Cash profit	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	166	84	152

63. The above data shows that the profitability has significantly improved in POI as compared to the base year as well as in comparison to 2008-09.

Employment and wages

64. The Authority notes that the constituent of the domestic industry is a multi product multi location company; therefore, there may not be direct effect of dumping on employment levels of the domestic industry. Status of employment levels and wages of the domestic industry has been as under:

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (Jan-Dec-09)
Employment	Nos	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	96	111	118
Wages	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	131	124	158

65. The Authority notes from the above that employment level of the domestic industry has shown improvement. Further, the level of wages has also increased during POI as compared to base year.

Productivity

66. The productivity of the domestic industry is given in the following table:

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (Jan-Dec-09)
Productivity per employee	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	112	81	77
Productivity per day	Mt	77	83	69	69
Trend	Indexed	100	108	89	90

The Authority notes productivity has improved in tandem with production.

Inventories

67. Designated Authority has examined the inventory level of the domestic industry, which is given in the following table:-

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (Jan-Dec-09)
Average stock	MT	305	262	329	506
Trend	Indexed	100	86	108	166
Average stock in terms of No. of days sales	No. of days	15	10	14	19
Trend	Indexed	100	67	93	127

Based on the above, Authority notes that the inventory levels of the domestic industry have increased in the POI as compared to base year as well as 2008-09.

Ability to raise capital investment

68. There have been no capacity additions during the period of investigation. In view of sufficient profits earned by the domestic industry during the period of investigation, the ability to raise capital investments may not be adversely affected.

Magnitude of Margin of Dumping

69. The Authority notes that while there is positive dumping margins in respect of China PR.

Growth

70. The Authority notes that Growth of the domestic industry during the POI as compared to the base year in terms of parameters like sales, market share, profits, cash profits and return on capital employed has been positive. However during the POI, a decline has been observed in the production, capacity utilization and captive consumption. When compared with 2008-09, all economic parameters have shown significant growth except market share.

Likelihood of continuation or recurrence of injury

71. The following factors have been brought before the Authority by the domestic industry for examination of likelihood of continuation or recurrence of injury to the domestic industry. The domestic industry has, *inter alia*, submitted the following:

- That the producers from the subject countries are dumping the material in the Indian market. Though there is an increase in raw material prices, the export price of the exporters has not shown proportionate increase indicating absorption of cost by the exporters.
- That in case the duties are discontinued the injury to the domestic industry would recur.
- That the landed price of imports from the subject country is much lower than the price of domestic industry.
- That the producers are holding significant surplus capacities and their domestic demand is significantly below the capacities created by them. The table showing surplus capacities of subject goods in China as provided by the domestic industry sourced from China Chemical Reporter (CCR) is as under:

	2008
Capacities	12,00,000
Production in China	6,00,000
Surplus unutilized capacities	6,00,000

- The domestic industry has contended that given the level of capacities as reported by China Chemical Reporter, the Chinese producers would naturally be looking at market opportunities. If the quantum of duty is not enhanced, the volume of subject goods' imports is likely to increase further. They have provided the evidence from China Chemical Reporter May 2010 issue.

Examination by the Authority

72. The Authority has examined the likelihood of continuance or recurrence of injury in the following paragraphs.

- The Authority notes that at the current level of benchmark, the landed price of imports is below the net selling price and non-injurious price of the domestic industry. The Authority further notes that during the POI, the volume of imports increased substantially in comparison to 2008-09, i.e., the period when the current level of benchmark was levied.
- The Authority notes that there are continued imports of the product under consideration after imposition of anti dumping duties at dumped prices, which are undercutting the prices of the domestic industry after addition of anti dumping duties and injury margin is also positive.
- The Authority notes that although the imports from subject country have continued to be substantial, it has declined in POI in relation to the total imports, production and consumption in India as compared to the base year. The domestic industry has been able to sell more domestically and increase its market share when compared to base year.

- However, in comparison to 2008-09, the volume of imports increased substantially resulting in decline of market share of domestic industry from 86% in 2008-09 to 82% in the POI.
- The adverse impact of the imports on the prices of the domestic industry is not apparent as the domestic industry has been able to realize *** % return on capital employed (on NFA Basis) which is higher as compared to ***% in 2008-09 and ***% in the base year. The domestic industry has been able to realize more than its fair selling price, i.e., non-injurious price.
- The domestic industry provided an evidence of surplus capacities in China PR sourced from China Chemical Reporter (CCR) and importer, M/s Madras Fluorine provide evidence from China Hydrofluoric Market Report 2008-09 for the same period 2008. Both reports shows contradictory picture of capacities in China PR for HF Acid. It shows unreliability of information available in China PR public domain. The Authority notes that such information cannot be relied upon for accessing the production capacity of subject goods in China PR.
- The present price behavior of the Chinese exporters of subject goods has shown positive price undercutting and price underselling. However the same is not materially injuring the domestic industry, as displayed by the economic parameters examined above.
- The information available at World Trade Atlas shows that the exports made by China to other countries are significant and at the prices marginally lower than the export price to India. As regards the higher export prices by China PR in Indian market as against the third countries as per world trade atlas, the Authority notes that world trade atlas prices are average prices for all the concentration level of HF Acid and therefore not representative of any particular price trend.

Magnitude of Injury and injury margin

73. The non-injurious prices for the subject good has been compared with the landed value of the exports from the subject country for determination of injury margin. The Authority has constructed the landed value of subject goods as reported by DGCI&S data.

Calculation for Injury Margin

POI (Jan'09-December'09)	HF Acid from CHINA PR
	Price Rs. per Kg
Landed price (Rs. Per /Kg.)	61831
Non-Injurious Price (Rs. Per /Kg.)	***
Injury Margin (Rs. Per /Kg.)	***
Injury Margin as a % of Landed	10-20%

Causal Link

74. As per the AD Rules, the Designated Authority is, *inter alia*, required to examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, *inter alia*, the volume and prices of imports not sold at dumping prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. It was examined whether these other parameters listed under the Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It was found that:

- (a) **Imports from Third Countries:** - The Authority notes that volume imports of the product under consideration from countries other than China are insignificant. Thus imports from third countries cannot be considered as the factor that would have impacted the domestic industry.
- (b) **Contraction in Demand:** - There is no contraction in the demand during injury period. On the contrary, overall demand for subject goods has shown significant positive growth during the injury period.
- (c) **Pattern of consumption:** - It is noted that no significant change in the pattern of consumption has come to the knowledge of the Authority, nor any interested party has made any submission in this regard.
- (d) **Trade restrictive practices and Conditions of competition:** - It is noted that the investigation so far has not shown that conditions of competition or trade restrictive practices are responsible for the claimed injury to the domestic industry.
- (e) **Developments in technology:** - It is noted that the investigation so far has not shown that there was any significant change in technology which could have caused injury to the domestic industry.
- (f) **Export performance of the domestic industry:** - The price and profitability in the domestic and export market has been segregated by the Authority for the purpose of present injury assessment. Therefore, the analysis on injury is not misrepresentative due to possible inclusion of export performance and injury to the domestic industry is not due to possible deterioration in exports.

G. CONCLUSIONS

75. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis, the Authority concludes:

- a. That although there are continued imports of the product under consideration from the subject country after imposition of anti dumping duties at dumped prices, which are

undercutting the prices of the domestic industry and injury margin is also positive, the adverse impact of the same on the volume, prices and profitability of the domestic industry is absent.

b. The present price behavior of the Chinese exporters of subject goods are not injuring the domestic industry as during the POI the domestic industry is able to sell more domestically and increase its market share when compared to base year. The market share marginally declined during POI as compared to 2008-09 but during the same period the domestic industry has been able to significantly increase its profitability. The profits, return on capital employed and cash profits of domestic industry have significantly gone up and it has been able to realize more than its fair selling price during the POI. Moreover, the price suppression/ depression are absent.

c. Further, as the anti-dumping duty in force has been practically infructuous as it was based on reference price, and as claimed by the domestic industry themselves and also observed by the Authority that the import prices of the subject goods have continuously been recorded at the prices above the reference price since it has been imposed, there would not be any likelihood of significant change in the price behavior of the subject goods from the subject country, if the anti-dumping duties ceases to operate. The Authority therefore concludes that if the anti-dumping duties on the subject goods are removed, the injury to the domestic industry is not likely to recur.

H. RECOMMENDATIONS

76. Having concluded as above, the Authority is of the opinion that there is no need for the continued imposition of anti-dumping duties on Hydrofluoric Acid originating in and exported from China PR and the same is required to be withdrawn.

77. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

VIDAYLAXMI JOSHI, Designated Authority